mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-151 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
02 जून 2026 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा

5 किलो के फ्री ट्रेड वाले एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े

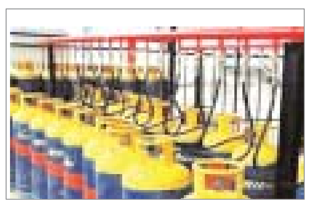

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 जून से 53.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3113.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 11 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब इस सिलेंडर की कीमत 821.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और ATF, यानी हवाई जहाज के ईंधन पर नई एक्सपोर्ट ड्यूटी आज से लागू हो गई है।

5 किलो वाला फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर 11 रुपए महंगा: एलपीजी सिलेंडर की कीमत 11 रुपए बढ़कर 821.50 हो गई है। पहले इसकी कीमत 810.50 थी। एलपीजी सिलेंडर को छोटू सिलेंडर भी कहते हैं जिसे कोई भी बिना एड्रेस प्रूफ के ले सकता है। इनका ज्यादातर इस्तेमाल प्रवासी मजदूर, छात्र या छोटे दुकानदार करते हैं। इसी 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर को रेगुलर कनेक्शन के साथ लेने पर इसके दाम ?339 पर स्थिर हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया में भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी

ब्रह्मोस, आकाश और नेत्र खरीदने में कई देश रुचि दिखा रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है, जबकि कुछ के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से अधिक है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62% ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए अर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है।

ट्विशा केस- समर्थ की फरारी को लेकर खुलासा

3 दिन भोपाल में, 5 दिन जबलपुर में रहा; गर्भपात की सलाह देने वाले डॉक्टर भी तलब

भोपाल, एजेंसी। भोपाल के ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी समर्थ की फरारी को लेकर जांच सीबीआई को महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। जांच में सामने आया है कि 15 मई को एफआईआर दर्ज होने के बाद समर्थ तत्काल शहर नहीं छोड़ पाया था और करीब तीन दिन तक भोपाल में ही रहा। इसके बाद वह जबलपुर पहुंचा, जहां उसने करीब पांच दिन तक फरारी काटी। अब सीबीआई इस पूरी अवधि के दौरान उसकी गतिविधियों, संपर्कों और उसे मिली संभावित मदद की विस्तृत पड़ताल कर रही है। सीबीआई ने इस मामले में उस डॉक्टर को भी तलब किया है जिसने ट्विशा को गर्भपात की सलाह दी थी।

पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार, 35 मंत्रियों ने शपथ ली

» अर्जुन सिंह, तपस रॉय मंत्री बने; शुभेंदु मंत्रिमंडल में अब 41 मिनिस्टर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सोमवार को सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। लोकभवन में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। सीएम शुभेंदु अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, 3 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 को राज्य मंत्री बनाया गया। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है।

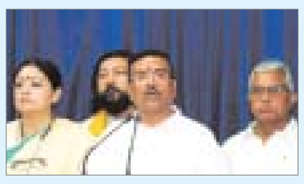

मंत्रिपरिषद की लिमिट 44, लेकिन शुभेंदु सरकार में 41 मंत्री होंगे... संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15% तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट में 41 मंत्री हो गए हैं। तय सीमा के आधार पर 3 मंत्री और बनाए जा सकते हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फिलहाल यह 3 पद खाली ही रहेंगे।

इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

सीएम शुभेंदु ने गृह और वित्त विभाग अपने पास रखा: इससे पहले 11 मई को ष्टरू शुभेंदु ने अपने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कियाा था। इसमें निशिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन की जिम्मेदारी सौंपी गई। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग दिए गए।

अशोक कीर्तनिया को खाद्य एवं आपूर्ति, सहकारिता विभाग दिया गया। क्षुदीराम टूडू को जनजातीय विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गृह मंत्रालय समेत अन्य सभी मंत्रालय अपने पास रखे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर अभिजीत दिपके 6 जून को लौटेंगे

दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे

» शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे

COCKROACH JANTA PARTY

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके 6 जून को भारत लौटेंगे। वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसमें शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी का - अकाउंट अभी बंद: दिल्ली हाईकोर्ट का ने 29 मई को कॉकरोच जनता पार्टी क ङ्ग अकाउंट से बैन हटाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने सरकार और ङ्ग से 4 हफ्ते में जवाब मांगा दिल्ली हाईकोर्ट में दिपके ने CJP का Dari अकाउंट ब्लॉक किए जाने को चुनौती दी है। जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की बेंच ने कहा कि सरकार का पक्ष सुने बिना ऐसा आदेश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि मामले के व्यापक प्रभाव और दूरगामी परिणाम हैं। अदालत ने केंद्र सरकार से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई को तय की।

जेईई में टॉप-10 में राजस्थान के 6 स्टूडेंट

गर्ल्स कैटेगरी की टॉपर भी कोटा से; टीचर्स ने बच्चों को कंधे पर बैठाया, पेरेंट्स डीजे पर नाचे

कोटा, एजेंसी। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) एडवांस 2026 का रिजल्ट घोषित हो गया है। टॉप-10 में कोटा और सीकर के 6 स्टूडेंट शामिल हैं। कोटा के शुभम ने पहली और कबीर ने ऑल इंडिया सेकंड रैंक हासिल की है।

गर्ल्स कैटेगरी में टॉप करने वाली आरोही देशपांडे भी कोटा में ही पढ़ी हैं। रिजल्ट आने के साथ ही कोटा और सीकर में जश्न का माहौल है। ये लगातार तीसरा साल है, जब कोटा से ऑल इंडिया पहली रैंक बनी है। जेईई एडवांस के रिजल्ट से करीब 55 हजार स्टूडेंट्स देश के 23 आईआईटी की बी-टेक, इंटीग्रेटेड एम-टेक और ड्यूल डिग्री पाठ्यक्रमों में एडमिशन की काउंसलिंग के लिए क्वालिफाई घोषित हुए हैं।

एक नंबर से रैंक में फिसले कबीर: जेईई एडवांस में फर्स्ट रैंक वाले शुभम कुमार मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। उनके पिता बिजनेसमैन हैं और माता हाउसवाइफ हैं। टॉपर शुभम को 330 नंबर मिले हैं।

वहीं, सेंकंड रैंक हासिल करने वाले कबीर छिल्लर दिल्ली के रहने वाले हैं। उनके पिता भी आईआईटीयन रहे हैं। वे एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते हैं। उनकी माता प्राइवेट स्कूल टीचर हैं। कबीर के 329 नंबर हैं।

कोटा और झुंझुनू के रहने वाले भी टॉप-10 में... सीकर के स्टूडेंट जतिन कुमार चाहर के ऑल इंडिया थर्ड रैंक आई है। जतिन ने 319 नंबर हासिल किए हैं। जतिन मूल रूप से झुंझुनू जिले के गोठ गांव के हैं। जतिन ने कहा– उन्होंने अपना पूरा फोकस कॉन्सेप्ट क्लीयर करने पर रखा। वहीं, कोटा के ही रहने वाले अर्णव गौतम ने 7वीं रैंक हासिल की है। एग्जाम में 8वीं रैंक वाले कनिष्क जैन और 10वीं रैक वाले दर्श सिक्का ने भी कोटा में स्टडी की है। गर्ल्स कैटेगरी की टॉपर रही आरोही भी कोटा में ही पढ़ी हैं। उनकी 77वीं रैंक है। ये सभी स्टूडेंट एलन कोचिंग से पढ़े हैं।

देशभर में हीटवेव खत्म, बारिश से तापमान गिरा:

राजस्थान के जैसलमेर में रेतीला तूफान; उत्तराखंड के चंपावत में नदी में फंसे 50 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली/ भोपाल/ लखनऊ, एजेंसी। देश के अधिकांश हिस्सों में रविवार को बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में फिलहाल हीटवेव की स्थिति खत्म हो गई है। कई राज्यों में बारिश और आंधी के चलते मौसम में बदलाव आया है।

राजस्थान के कई हिस्सों में लगातार दूसरे दिन धूल भरी आंधी चली, जिससे तापमान में गिरावट आई। जैसलमेर में रेतीला तूफान आया। इससे विजिबिलिटी पर असर हुआ, हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। राज्य के फलौदी में अधिकतम तापमान 42.6डिग्री रहा।

उत्तर प्रदेश के बलिया में 34.4एमएम और मुरादाबाद में 21.8एमएम बारिश हुई। लखनऊ में भी 2.4एमएम बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 36.3डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.9डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 24.7डिग्री रहा। उत्तराखंड में भारी बारिश और खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। चंपावत के श्री रीठा साहिब गुरुद्वारे के वार्षिक जोड़ मेले के दौरान उफनती नदी में 50 से ज्यादा श्रद्धालु फंस गए, जिन्हें बाद में रेस्क्यू किया गया।

मानसून 4 जून तक केरलम पहुंचेगा... मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है।

मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

राजस्थान के जैसलमेर में रविवार शाम को फिर से रेतीला बवंडर उठा। इससे दिन में अंधेरा छा गया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आसमान में दूर से ही धूल का गुबार उठता दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे आगे बढ़ा।

इससे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में रेतीला तूफान आया था। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। इस दौरान 56किमी की रफ्तार से आंधी चली।

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमला किया

ईरान ने जवाबी हमले में एयरबेस को निशाना बनाया

» ईरानी राष्ट्रपति के इस्तीफे का दावा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका ने कहा कि हमने ईरान के गोरुक और केश्म द्वीप पर रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स को निशाना बनाया। यह हमला आत्मरक्षा में किया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने बताया है कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी MQv ड्रोन को गिराया था।

CENTCOM के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को नष्ट किया। अमेरिका का दावा है कि ये ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री रास्तों से गुजर रहे जहाजों के लिए सीधा खतरा बन रहे थे।

दूसरी तरफ, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि हमने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल सीरिक द्वीप के पास अमेरिकी ऑपरेशन में हुआ था। ढ्ढक्रत्रष्ट का कहना है कि ये हमला सीरिक द्वीप पर टेलीकॉम टावर पर हुए अमेरिकी हमले के जवाब में किया गया। हालांकि, ईरान ने उस एयरबेस की लोकेशन नहीं बताई। वहीं, 'ईरान इंटरनेशनल' की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर अब पूरी तरह IRGC के कमांडरों का कंट्रोल में है।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में एसआईआर शुरू

इन राज्यों में अगले साल चुनाव

» 28 जून तक फॉर्म नहीं दिया तो छूट सकता है नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का तीसरा चरण शुरू कर दिया है। इन राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं।

निर्वाचन आयोग ने 14 मई को संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 की धारा 21 के तहत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में SIR का आदेश दिया था। उसी प्रक्रिया के तहत अब ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से एन्यूमरेशन फेज शुरू हो गया है। SIR के तहत बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेंगे और फॉर्म जमा कराएंगे। आयोग ने कहा है कि 28 जून 2026 तक जिन लोगों के फॉर्म चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ERO) को मिल जाएंगे, उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे।

पात्र नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे ... आयोग ने कहा है कि SIR अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। 18 साल या उससे ज्यादा उम्र का हर भारतीय नागरिक, जो किसी कानून के तहत अयोग्य घोषित नहीं है, वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने का हकदार है।

डीजल-पेट्रोल के बाद बढ़े कमर्शियल एलपीज सिलिंडर के दाम

» दिल्ली में 42 तो कोलकाता में 53 रुपये हुआ महंगा

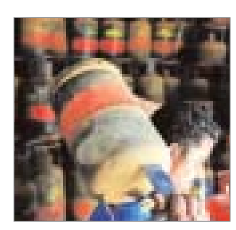

नई दिल्ली, एजेंसी। डीजल–पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि के बाद आज कमर्शियल एलपीजी के दामों में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 42 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 3113.50 रुपये हो गई है, जबकि कोलकाता में यह 53.50 रुपये महंगा होकर 3255.50 रुपये पर पहुंच गया है। इसके अलावा 5 किलो वाले छोटे एफटीएल सिलेंडर के दाम भी 11 रुपये बढ़ाए गए हैं। हालांकि, राहत वाली बात यह है कि रेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन होटल, रेस्तरां और शादियों में इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से बाहर खाना–पीना महंगा हो सकता है।

नई कीमतें लागू: कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि की दरें आज १जून यानी ही लागू हो गई हैं। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 42 रुपए बढ़ाए गए हैं। अब इसकी कीमत 3113.50 रुपए हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला 'कोई महिला आजीविका के लिए वेश्यावृत्ति करे, तो वह जगह कोठा नहीं'

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का गहन विश्लेषण करने के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करना है और न ही इसे आपराधिक अपराध बनाना है, बल्कि इसका असली मकसद वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना है।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि वेश्यावृत्ति को खत्म करना या इसे आपराधिक अपराध बनाना इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नहीं है। बल्कि, इसका उद्देश्य वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण को रोकना या समाप्त करना है, यानी वेश्यावृत्ति को आजीविका के एक संगठित माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईटीपीए मुख्य रूप से अपराधियों और तस्करों को सजा देने के लिए लाया गया था, न कि खुद वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को दंडित करने के लिए। जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए 298 पन्नों के इस फैसले में स्पष्ट किया गया कि अधिनियम की धारा 7 और 8 इस सामान्य नियम के अपवाद हैं। ये धाराएं विशेष परिस्थितियों में वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को दंडित करती हैं कि धारा 7 सार्वजनिक स्थानों के करीब वेश्यावृत्ति में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करती है। वहीं, धारा 8 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राहकों को रिझाने या बुलाने को अपराध मानती है। पीठ ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हालांकि वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को सीधे तौर पर पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया गया है, लेकिन सार्वजनिक शालीनता और सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। सार्वजनिक संस्थानों और अधिसूचित क्षेत्रों के आसपास ऐसे दृश्यों या प्रयासों को रोका जाए ताकि जनता को असुविधा न हो।

कानून के नाम में अनैतिक शब्द क्यों जुड़ा? वेश्यालय से छुड़ाई गई महिलाओं के पुनर्वास के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पीठ ने 1956 के इस अधिनियम का गहराई से विश्लेषण किया। अदालत ने बताया कि 20वीं सदी की शुरुआत में वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं की तस्करी बहुत आम थी और समाज में इसे अनैतिक माना जाता था, यही वजह है कि यह शब्द इस कानून के नाम के साथ जुड़ गया।

वेश्यावृत्ति को लेकर कानूनी अस्पष्टता: अदालत ने स्पष्ट किया कि वह न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से अपराध घोषित करने की वकालत कर रही है और न ही इसे पूरी तरह से अनियंत्रित छोड़ने की बात कह रही है। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह समझाना चाहते हैं कि विधायी उद्देश्य वेश्यावृत्ति के सभी कृत्यों की निंदा करना नहीं है। हालांकि, इसकी परिभाषा में कुछ अस्पष्टता जरूर है, क्योंकि इसे पूरी तरह से केवल शोषणकारी या अपमानजनक रूप में ही चित्रित किया जाता है।

अधिनियम की धारा 2 में दिए गए वेश्यागृह शब्द की परिभाषा की जांच करते हुए पीठ ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई अकेली महिला अपनी आजीविका के लिए अपने घर में वेश्यावृत्ति करती है, जिसमें कोई दूसरी महिला शामिल नहीं है और न ही उस परिसर के रखरखाव में किसी बाहरी व्यक्ति या बिचौलिए की भूमिका है तो उस महिला के निवास स्थान को कानूनन वेश्यागृह नहीं माना जाएगा।

हिमाचल पंचायत चुनाव 2062 गरीब और 429 अनपढ़ प्रतिनिधियों का चुनाव, युवा-महिला भागीदारी बढ़ी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026-31 ने ग्रामीण लोकतंत्र की नई तस्वीर पेश की है। चुनावी आंकड़ों से स्पष्ट है कि इस बार युवा वर्ग, महिलाएं और शिक्षित उम्मीदवार बड़ी संख्या में चुनावी मैदान में उतरे और सफलता हासिल की। यही नहीं 29483 निर्वाचित उम्मीदवारों में 2062 गरीबी रेख से नीचे के परिवारों के विजेता शामिल है। राज्य निर्वाचन आयोग के आंकडों के आधार पर पढे-लिखों का बोलबाला है लेकिन पूर्ण साक्षर हिमाचल प्रदेश में 429 प्रत्याशी ऐसे भी चुने गए हैं जो अनपढ़ बताए गए हैं। पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव परिणाम अब आने वाले पांच वर्षो के दौरान कई इबारतें लिखेंगे। आर्थिक स्थिति के आधार पर अधिकांश उम्मीदवार एपीएल वर्ग से रहे। हालांकि बीपीएल वर्ग के दो हजार से

अधिक उम्मीदवारों का निर्वाचित होना यह दर्शाता है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी पंचायत नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रहा है। लगभग 80 प्रतिशत से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधि कम से कम मैट्रिक या उससे अधिक शिक्षित हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में क्या: राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं के विभिन्न पदों के लिए 86 हजार से अधिक नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 70 हजार उम्मीदवार मैदान में रहे और अंततः करीब 29,483 उम्मीदवार निर्वाचित हुए।महिला आरक्षित तथा सामान्य महिला श्रेणी में बड़ी संख्या में उम्मीदवार विजयी होकर पंचायतों की कमान संभालेंगी। 31 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 19,577 उम्मीदवार विजयी हुए, जो कुल निर्वाचितों का लगभग 66 प्रतिशत है। चुनाव में महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक रही और निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं का प्रतिशत पुरुषों से अधिक दर्ज किया गया। आयु वर्ग के आधार पर देखा जाए तो 31 से 50 वर्ष के उम्मीदवारों का दबदबा रहा। कुल नामांकन में 62 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार इसी आयु वर्ग से रहे। निर्वाचित उम्मीदवारों में भी सबसे बड़ी हिस्सेदारी 31-40 वर्ष तथा 41-50 वर्ष आयु वर्ग की रही। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण नेतृत्व की कमान अब अनुभव और ऊर्जा के संतुलन वाले वर्ग के हाथों में दी गई है। शैक्षणिक योग्यता के आधार पर सबसे अधिक उम्मीदवार मैट्रिक पास रहे। कुल निर्वाचित उम्मीदवारों में लगभग 45 प्रतिशत दसवीं पास हैं वहीं उच्च माध्यमिक, स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षित प्रतिनिधियों की भी अच्छी संख्या सामने आई है, जो पंचायतों में बेहतर प्रशासन और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की उम्मीद बढ़ाती है। पंचायत चुनाव में महिलाओं की भागीदार पुरुषों से अधिक है। कुल नामांकन में महिलाओं की हिस्सेदारी 43.85 प्रतिशत। निर्वाचित उम्मीदवारों में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 53.89 प्रतिशत। 15,887 महिलाएं पंचायत नेतृत्व का हिस्सा बनी हैं।

चेन्नई बार विवाद कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, 18 वर्षीय युवती की मौत; तीन गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक निजी बार में शुरू हुआ मामूली विवाद सड़क पर हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि युवकों के एक समूह ने कार से दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि उसकी नाबालिग दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों बालामुरुगन (21), जोशवा (19) और किशोर कुमार (19) को गिरफ्तार किया है। मृतक युवती की पहचान यांसी (18) के रूप में हुई है, जो श्रीलंकाई शरणार्थी परिवार से थी और विलुप्पुरम जिले में रहती थी। पुलिस के अनुसार, यांसी अपने दोस्तों के साथ एक निजी बार में डांस कर रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद दूसरे समूह के युवकों के साथ कहासुनी हो गई। स्थिति बिगड़ने पर बाउंसरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। हालांकि, बार के बाहर भी दोनों पक्षों के बीच तनाव जारी रहा। बाउंसरों ने दोनों समूहों को वहां से जाने के लिए कहा। बाद में यांसी और उसकी दोस्त स्कूटी से जा रही थीं, तभी उन्होंने कथित तौर पर विरोधी समूह को कार में देखा।

पत्थरबाजी के बाद पीछा कर मारी टक्कर: पुलिस का कहना है कि यांसी के दोस्तों ने कथित रूप से कार पर पत्थर फेंके। इससे गुस्साए युवकों ने कार से स्कूटी का पीछा किया और उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यांसी सड़क पर गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यांसी की 17 वर्षीय दोस्त गंभीर रूप से घायल हुई है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

बार सील, फरार आरोपियों की तलाश: घटना के बाद यांसी के परिवार ने सभी आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस ने नाबालिगों को प्रवेश देने के आरोप में संबंधित निजी बार को सील कर दिया है।

ग्रेटर नोएडा में आवारा कुत्तों का खौफ, एक दिन में चार बच्चों पर हमला

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर म्यू टू में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। पिछले एक हफ्ते से रोजाना बच्चों और बड़ों पर कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। निवासियों का दावा है कि शुक्रवार को एक ही दिन में चार बच्चों को निशाना बनाया। इससे पहले आवारा कुत्ते पांच लोगों को कुत्तों ने काट लिया। इससे पूरे सेक्टर में डर का माहौल बन गया है। सेक्टर निवासी धर्मेन्द्र राठी ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि सेक्टर में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती रही है। कुत्ते आक्रामक हो गए हैं और राह चलते लोगों पर हमला कर रहे हैं। पास के सरकारी अस्पताल से भी घटना की पुष्टि की जा सकती है। धर्मेन्द्र राठी ने बताया कि प्राधिकरण को बार-बार अवगत कराने के बावजूद अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हालात ये हैं कि कुत्तों के डर से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बच्चे पार्क में खेलने से डर रहे हैं और बुजुर्ग मॉर्निंग वॉक पर नहीं जा पा रहे। रातभर कुत्तों के भौंकने से सेक्टर के लोग परेशान हैं। निवासियों ने प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया है कि आक्रामक हो चुके कुत्तों को तुरंत पकड़ा जाए ताकि आगे किसी बच्चे या बड़े को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने मांग की है कि पूरे सेक्टर में अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ा जाए और उनकी नसबंदी कराई जाए। सेक्टर के लोगों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे प्राधिकरण कार्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

ग्वालियर नदी में शव फेंककर बोला मगरमच्छ खा जाएंगे

नाबालिग की मौत पर सौतेले पिता की कहानी में उलझी पुलिस

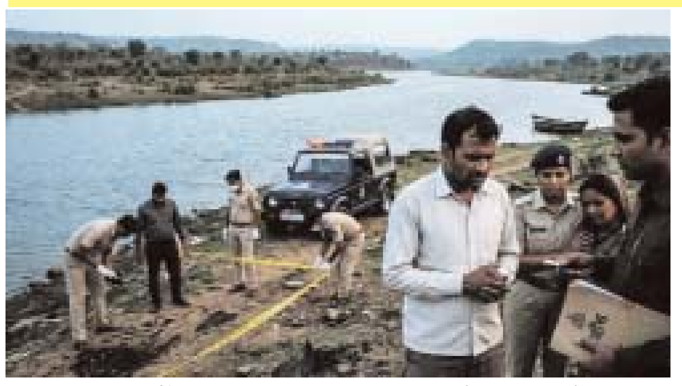

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर की 13 वर्षीय छात्रा का शव भिंड में सिंध नदी किनारे मिलने के बाद मामला और पेंचीदा हो गया है। पुलिस की शुरुआती जांच और फारेंसिक टीम द्वारा कराए गए सीन रिक्रिएशन में सौतेले पिता की बताई पूरी कहानी वैज्ञानिक साक्ष्यों से मेल नहीं खा रही है। बता दें कि सौतेले पिता ने पुलिस को बताया कि गत 24 मई की रात छात्रा घर में पढ़ रही थी। रात करीब 11 बजे बिजली जाने पर उसकी मां जागी तो बेटी घर में नहीं मिली। कुछ देर तलाश के बाद दंपती लौटा तो घर अंदर से बंद था। पिता ने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया और करीब 25 मिनट बाद बाहर आकर बताया कि बच्ची ने साड़ी के फंदे से आत्महत्या कर ली है। पुलिस के लिए यही 25 मिनट सबसे बड़ा सवाल बन गया है। जांचकर्ता यह समझने का प्रयास कर रहे हैं कि उस दौरान घर के अंदर क्या हुआ और इतने समय बाद ही आत्महत्या की जानकारी क्यों दी गई। इसी वजह से पुलिस अब आत्महत्या की थ्योरी से आगे बढ़कर अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस ने शव की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अब डीएनए परीक्षण कराने का फैसला लिया है। शव ठिकाने लगाने की कहानी भी सवालों में, मां भी जांच के घेरे में- पुलिस जांच में सामने आया है कि कथित तौर पर बच्ची की मौत के बाद आरोपित पिता अपनी कार लेकर पेट्रोल पंप पहुंचा, वहां सीएनजी भरवाई, फिर शव को लेकर भिंड पहुंच गया। उसने शव को सिंध नदी में फेंक दिया। पूछताछ में उसने पत्नी से यह भी कहा था कि नदी में मौजूद मगरमच्छ शव को खा जाएंगे और घटना का कोई सुराग नहीं मिलेगा। वहीं, पुलिस अब मृतका की मां की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है।

दिल्ली में इस पूरे हफ्ते मौसम रहेगा सुहावना, बारिश और धूल भरी आंधी को लेकर यलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। मई की ठंडक भरी विदाई के बाद जून के पहले सप्ताह में भी दिल्ली पर मौसम की मेहरबानी बनी रहेगी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस दौरान तेज धूल भरी आंधी, हल्की वर्षा और गर्जन वाले बादल बनने जैसी मौसमी घटनाओं का दौर बीच-बीच में आता रहेगा। इसी के मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया है। इस बीच रविवार को दिल्ली का अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य की तुलना में तीन से छह डिग्री तक कम दर्ज किया गया।

बादलों की आवाजाही और हल्की धूप के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस कम 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस कम 23.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 75 से 51 प्रतिशत रहा। भीषण गर्मी वाले मई के आखिर और जून के प्रारंभ में बने हुए इस ठंडे मौसम का कारण विशेषज्ञों ने राजस्थान और मध्य पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ से जुड़ी वर्षा और गर्जन वाले बादलों को बताया है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 'दिल्ली व एनसीआर में वर्षा और बादलों की आवाजाही राजस्थान और मध्य पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण है।' मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार और मंगलवार को भी दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में तेज धूल भरी आंधी के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

चीन की मिसाइल से गिराया गया अमेरिकी लड़ाकू विमान, इस्राइल-ईरान तनाव के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अब चीन की भूमिका को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले महीने ईरान के दक्षिण-पश्चिम इलाके में गिराए गए अमेरिकी एफ-15 लड़ाकू विमान को संभवतः चीन में बनी मिसाइल से निशाना बनाया गया था। इस दावे ने अमेरिका, चीन और ईरान के रिश्तों में नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि चीन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बदनाम करने की कोशिश बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाली मिसाइल से मार गिराया गया था। इस तरह की मिसाइल को मैनपैड्स कहा जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह कई दशकों में पहली बार था जब दुश्मन की गोलीबारी में कोई अमेरिकी लड़ाकू विमान गिरा। विमान में मौजूद दोनों अमेरिकी जवान सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पायलट को सात घंटे के भीतर बचा लिया गया, जबकि दूसरे अधिकारी को दो दिन बाद पहाड़ी इलाके से निकाला गया।

चीन पर आखिर क्या आरोप लगे हैं: अमेरिकी सूत्रों का दावा है कि ईरान ने संभवतः चीन में बनी मिसाइल का इस्तेमाल किया। इसके अलावा यह भी आरोप है कि चीन ने ईरान को ऐसा लंबी दूरी का रडार सिस्टम भी दिया हो सकता है, जो स्टील्थ विमानों को पकड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक यह रडार उन विमानों को भी पहचान सकता है जो आम तौर पर रडार से बच निकलते हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान पर किए हवाई हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान पर मिसाइलें दागी हैं। वहीं ईरान में राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे को लेकर विवाद हो रहा है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस्तीफे का खंडन किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तेहरान में हुए बवाल में कई लोग घायल हुए हैं। आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि हिजबुल्ला, इस्राइल के साथ युद्धविराम की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि यह समूह हमले रोकने से इनकार कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हाल ही में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। यह बातचीत इस्राइल और लेबनान के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, 'इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने एक साफ योजना दी। जिसके तहत पहले हिजबुल्ला को इस्राइल पर सभी हमले रोकने होंगे। इसके बदले में इस्राइल भी बेरूत में किसी तरह की और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। इससे धीरे-धीरे तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने का रास्ता बनेगा।

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति जोसेफ आउन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाना चाहते थे और सभी पक्षों के बीच सहमति बनवाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन यह कोशिश लेबनान के संसद अध्यक्ष नबीह बेरी के जवाब के बाद रुक गई। नबीह

हिजबुल्ला के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। अधिकारी के अनुसार, बेरी ने कहा कि वे हिजबुल्ला की तरफ से सीजफायर का भरोसा दिला सकते हैं, लेकिन उन्होंने शर्त रखी कि पहले इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी। अमेरिका ने इस संघर्ष के लिए ईरान को भी जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारी ने कहा, 'ईरान हिजबुल्ला को निर्देश दे रहा है। उसे लेबनान के लोगों की भलाई में कोई रुचि नहीं है। ईरान चाहता है कि यह संघर्ष लंबा चले ताकि वह बाद में स्थिति संभालने का श्रेय ले सके।

ईरान का भी अमेरिका पर पलटवार का दावा: ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया है कि अमेरिकी हमले के जवाब में उन्होंने भी अमेरिका के उन एयरबेस को निशाना बनाया है, जहां से ईरान पर हवाई हमले किए गए। हालांकि आईआरजीसी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

कुवैत का दावा- उन पर हुए हवाई हमले: कुवैत ने दावा किया है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश की ओर बढ़ रहे ड्रोन और मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। इन हमलों के दौरान कुवैत के कई इलाकों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गई, जिन्हें कुवैती सेना ने इंटरसेप्शन ऑपरेशन का हिस्सा बताया। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान पर अमेरिका ने किए हवाई हमले: अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के रडार और ड्रोन कमांड ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई तेहरान द्वारा अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, हमले ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में किए गए। हमलों में ईरान के ड्रोन नियंत्रण और रडार प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने ईरान के शहरों गोरुक और केशम में हमले किए हैं। ये हमले ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर किए गए। अमेरिका ने कहा है कि ईरान ने हाल ही में उनके एमक्यू-1 ड्रोन को अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में निशाना बनाया था। उसी के जवाब में ये हमले किए गए हैं। अमेरिकी सेना ने बताया कि उन्होंने ईरान के एयर डिफेंस, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाया गया।

दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सैन्य बढ़त पर जर्मनी चिंतित: जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की बढ़ती सैन्य कार्रवाई पर गहरी चिंता जताते हुए सभी पक्षों से तत्काल संघर्ष विराम लागू करने की अपील की। वाडेफुल ने कहा कि उत्तरी इस्राइल पर हिजबुल्ला के लगातार हमलों के जवाब में इस्राइल की कार्रवाई को समझा जा सकता है। लेकिन किसी भी तरह की आगे की सैन्य बढ़ोतरी पहले से तनावपूर्ण स्थिति को और गंभीर बनाएगी तथा लेबनान में विस्थापन की नई लहर पैदा करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सैन्य तनाव का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़े और लेबनान के कुछ हिस्से स्थायी रूप से रहने लायक न रहें, तो इससे दीर्घकाल में इस्राइल की सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं होगी। इस बीच, इस्राइली रक्षा बल ने दावा किया है कि उसकी सेना ने दक्षिणी लेबनान के ब्यूफोर्ट रिज और वादी अल-सलुकी क्षेत्र में प्रवेश कर रणनीतिक महत्व वाले ब्यूफोर्ट किले पर कब्जा कर लिया है।

दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत', जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है।

इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे-धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या नहीं।

जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और

अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह मांग उस समय की गई जब रूस ने हाल ही में कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि मौजूदा उत्पादन क्षमता उसकी जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है और पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए।

अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हथियार और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि यूक्रेन और उसके सहयोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें। हेगसेथ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देशों ने भी यूक्रेन की मदद के लिए काफी संसाधन उपलब्ध कराए हैं और अमेरिका इस सहयोग का स्वागत करता है।

आईएसडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के पास वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए सीमित समय है। संस्था का मानना है कि रूस इस समय युद्धक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और यदि पश्चिमी देश अपनी सहायता बढ़ाते हैं तो यूक्रेन को महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस पर बढ़ता सैन्य और आर्थिक दबाव पुतिन को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है।

कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीकार किया कि फिलहाल शांति वार्ता की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत के लिए कोई नया अवसर पैदा होता है तो अमेरिका फिर से सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार रहेगा। जेलेंस्की ने विश्वास जताया कि रूस अंततः किसी न किसी समझौते के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में अमेरिका की भागीदारी के साथ हुई बातचीत भविष्य की वार्ताओं का आधार बन सकती है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारियों मार्को रुबियो, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को कीव आने का निमंत्रण भी दिया है। उनका कहना है कि अमेरिकी प्रतिनिधियों को यूक्रेन आकर खुद हालात देखने चाहिए ताकि वे युद्ध की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि इस तरह की यात्रा पर चर्चा हुई है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अब क्या चाहते हैं ट्रंपः माउंट रशमोर में जगह पाने की चाह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर की एआई से बनी तस्वीर

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर माउंट रशमोर में अपनी जगह बनाने की बहस को हवा दे दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक एआई से तैयार की गई तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका चेहरा अमेरिका के चार ऐतिहासिक राष्ट्रपतियों के साथ माउंट रशमोर स्मारक पर दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में ट्रंप को जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के साथ दिखाया गया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस तस्वीर के साथ कोई टिप्पणी या संदेश साझा नहीं किया। माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल दक्षिण डकोटा के कीस्टोन स्थित ब्लैक हिल्स क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों पर उकेरा गया एक विशाल स्मारक है। यहां अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपतियों के 60 फुट ऊंचे चेहरे तराशे गए हैं। यह स्मारक अमेरिका के जन्म, क्षेत्रीय विस्तार, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

स्मारक के मूर्तिकार ने कैसे किया था राष्ट्रपतियों का चयन: स्मारक के मूल मूर्तिकार गुटजोन बोर्ग्लम ने इन चार राष्ट्रपतियों का चयन अमेरिका के पहले 150 वर्षों के इतिहास को दर्शाने के उद्देश्य से किया था। जॉर्ज वॉशिंगटन को अमेरिकी गणराज्य की स्थापना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना गया, जबकि थॉमस जेफरसन देश के क्षेत्रीय विस्तार का प्रतिनिधित्व करते हैं। थियोडोर रूजवेल्ट को राष्ट्रीय विकास और वैश्विक मंच पर अमेरिका के उभार के प्रतीक के रूप में शामिल किया गया था।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने जनहित के मुद्दों पर दिए कड़े निर्देश

अस्पतालों के नियमित निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने, किसानों को सुविधा और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभिन्न विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे तथा आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए बैठक के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर स्वयं हितग्राहियों से फोन पर चर्चा कर निराकरण की स्थिति की जानकारी ली तथा लंबित प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों एवं अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र के अस्पतालों का सप्ताह में कम से कम दो बार निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकीय सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहें तथा मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसूति सहायता योजना का लाभ पात्र महिलाओं को तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए आबकारी विभाग को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित समय के बाद खुली मिलने वाली शराब दुकानों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शराब दुकानों के आसपास अनावश्यक जमावड़े रोकने तथा सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीते पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी उपखंड स्तरीय अधिकारियों को अपने मुख्यालय में नियमित रूप से उपस्थित रहने तथा क्षेत्र के भीतर ही निवास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने गौशालाओं, विद्यालयों अस्पतालों, आंगनवाड़ियों एवं शासकीय पेयजल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाने तथा दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नदियों, नालों एवं तालाबों के आसपास किए गए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल हटाया जाए। जल स्रोतों के आसपास अवैध निर्माण एवं पर्यावरण को प्रभावित करने वाली गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए बैठक में कलेक्टर ने सभी उपखंड अधिकारियों को उपयुक्त भूमि क्षेत्रों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए ताकि जिले में उद्योग एवं व्यवसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकें शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी कॉलेज प्राचार्यों को विद्यार्थियों की उपस्थिति और आवागमन का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कॉलेज में ऐसा रजिस्टर संधारित किया जाए जिसमें विद्यार्थियों के प्रवेश एवं प्रस्थान का समय दर्ज हो। साथ ही स्कूलों के आसपास डॉग फ्री जोन विकसित करने तथा शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू, पान मसाला एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए कृषि विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने बताया कि खरीफवर्ष 2026-27 के लिए ई-विकास पोर्टल पर उर्वरक टोकन बुकिंग सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। किसानों से समय रहते उर्वरक टोकन बुक करने की अपील करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल संबंधी समस्याओं की स्थिति में वैकल्पिक वितरण व्यवस्था भी तैयार रखें ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो कलेक्टर ने कृषि अधिकारियों को खाद एवं बीज विक्रेताओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए कहा कि नकली खाद-बीज बेचने वाले विक्रेताओं एवं फर्मों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक एवं वैधानिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, सभी अनुविभागीय अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतीक्षालय पर पेड़ गिरा दो बच्चे गंभीर घायल आंधी-बारिश के दौरान हादसा महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में रविवार देर रात तेज आंधी और बारिश के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया नवानगर थाना क्षेत्र के महुआमोड़ में सड़क किनारे बने प्रतीक्षालय पर एक विशाल पेड़ गिर गया इस घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के वक्त प्रतीक्षालय में एक दर्जन से अधिक लोग बारिश से बचने के लिए खड़े थे प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज तूफान के कारण अचानक पेड़ प्रतीक्षालय पर आ गिरा। अधिकांश लोग किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे लेकिन लगभग 30 वर्षीय सुनीता शाह अपने दो छोटे बच्चों के साथ मलबे में फंस गईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया बचाव दल ने सुनीता शाह को मृत पाया। उनके दोनों गंभीर रूप से घायल बच्चों को एनसीएल के नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है ।दसे के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया। स्थानीय लोग और परिजनों ने घटना को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए लगभग एक घंटे तक मौके पर हंगामा किया। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची मौके पर तहसीलदार, सीएसपी और नवानगर थाना प्रभारी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया नवानगर थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर गिरे हुए पेड़ को हटाने का काम शुरू किया। उन्होंने पुष्टि की कि महिला की मौत हो चुकी थी और घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गारमेंट्स दुकान खाक, 20 लाख का नुकसान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका; नुकसान का होगा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कमर्जी थाना क्षेत्र के ग्राम पटपरा में सोमवार दोपहर एक गारमेंट्स दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है राजस्व और पुलिस विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है जानकारी के मुताबिक, पटपरा में किराए की दुकान में शिवजी इंटरप्राइजेज एवं गारमेंट्स संचालित थी। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे दुकान में अचानक आग लग गई। उस समय दुकान संचालक सत्यभान साकेत अपने घर पर थे। उन्हें मकान मालिक ध्रुव नारायण सिंह ने फोन पर आग लगने की सूचना दी सूचना मिलते ही सत्यभान साकेत मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक आग पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले चुकी थी। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दुकान में रखा अधिकांश सामान बचाया नहीं जा सका दुकान में रखा सामान खाक दुकान संचालक सत्यभान साकेत के अनुसार आग से लगभग 20 लाख रुपए मूल्य के कपड़े और गारमेंट्स का सामान जल गया। काउंटर में रखे करीब 2 हजार रुपए नकद भी आग की भेंट चढ़ गए। उन्होंने इस संबंध में कमर्जी थाना में शिकायत दर्ज कराई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

स्वास्थ्य, सम्मान और सेवा का उत्सव बना रेड क्रॉस का सेवा दिवस

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, जरूरतमंदों तक पहुंचनी चाहिए हर संभव सहायता : सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा सीधी द्वारा सेवा दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। आयुष विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में नगर पालिका के श्रमिकों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा नि:शुल्क दवाओं और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ प्राप्त किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नगर पालिका के श्रमिकों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा और सहायता पहुंचाना ही रेड क्रॉस की मूल भावना है। रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा समय-समय पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान, आपदा राहत एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां समाज में सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल प्रस्तुत करती हैं। सांसद ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में स्वास्थ्य जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे शिविर न केवल लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं, बल्कि उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी जिला इकाई सीधी के सचिव कृष्णकांत द्विवेदी ने बताया कि सेवा दिवस का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा सेवा कार्यों के माध्यम से मानवीय मूल्यों को मजबूत करना है शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण सहित विभिन्न रोगों की जांच की गई। चिकित्सकों ने उपस्थित लोगों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने की सलाह देते हुए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान किया कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक, जिला पंजीयक अभिषेक सिंह, श्रम अधिकारी आकांक्षा पाठक, समाजसेवी डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, डॉ. मनोज सिंह परिहार, अमित प्रधान, संजय सोनी, परामर्शदाता अमित कुमार गौतम ''स्वतंत्र'', आयुष विभाग के चिकित्सक एवं कर्मचारी, रेड क्रॉस सोसायटी के पदाधिकारी, शिविर के लाभार्थी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

खेत की खुदाई में मिलीं चार मूर्तियां चंदोरा गांव में ग्रामीणों की भीड़, पूजा-अर्चना शुरू

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम चंदोरा में खेत की खुदाई के दौरान जमीन से भगवान की चार मूर्तियां मिली हैं मूर्तियों के मिलने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और उन्होंने पूजा-अर्चना शुरू कर दी जानकारी के अनुसार0 हरियाणा निवासी सुनील कुमार जाट ने लगभग एक माह पहले चंदोरा निवासी लक्ष्मीकांत शुक्ला से यह जमीन खरीदी थी। रविवार को कृषि कार्य के लिए भूमि को ट्रैक्टर से तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान मजदूरों को जमीन के भीतर से पत्थर की चार मूर्तियां दिखाई दीं पहले इसे सामान्य पत्थर समझा गया लेकिन बाद में भगवान की मूर्तियां होने की पुष्टि हुई।

ग्रामीणों ने शुरू की पूजा-अर्चना: मूर्तियों की खबर तेजी से गांव में फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने मूर्तियों की पूजा-अर्चना शुरू कर दी। गांव में भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गए हैं।

पुलिस भी पहुंची मौके पर: घटना की जानकारी मिलने पर सीधी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से मूर्तियों को सुरक्षित रखने की अपील की फिलहाल मूर्तियां ग्रामीणों की निगरानी में सुरक्षित रखी गई हैं।

जनगणना 2027 के उत्कृष्ट कार्य पर शिक्षकों का सम्मान, प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समर्पण एवं दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए जिला प्रशासन सीधी द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जनगणना कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले शिक्षकों को स्टार ऑफ द मंथ, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई विशेष प्रशस्ति पत्र से सुशील कुमार खटीक, उच्च माध्यमिक शिक्षक, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जूरी, कुसमी को सम्मानित किया गया। जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु उन्हें कुसमी चार्ज अंतर्गत मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया था। उनके द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किए जाने के परिणामस्वरूप कुसमी विकासखंड जिले में सर्वप्रथम शत-प्रतिशत मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य पूर्ण करने में सफल रहा। उनके दायित्वबोध, अनुशासन कार्यकुशलता एवं समर्पण की जिला प्रशासन ने विशेष सराहना की ।

इसी क्रम में राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, प्राथमिक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला तेलियान टोला पांड, मझौली; सुखनन्दन प्रजापति, माध्यमिक शिक्षक, शासकीय माध्यमिक विद्यालय मुर्दाडीह, सिहावल; सुरेन्द्र कुमार गुरदवान, माध्यमिक शिक्षक, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फुलवा, कुसमी तथा रावेन्द्र पाण्डेय, उच्च माध्यमिक शिक्षक, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरवाह, गोपदबनास को जनगणना 2027 के दौरान सौंपे गए दायित्वों का उत्कृष्ट, निष्ठापूर्ण एवं समयबद्ध निर्वहन करने तथा प्रथम चरण के मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए उपरोक्त शिक्षकों की प्रतिबद्धता, कार्यकुशलता एवं टीम भावना ने जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सम्मानित शिक्षकों के कार्य अन्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं जिला प्रशासन ने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की।

नगर निगम रीवा आयुक्त अक्षत जैन ने टीएल बैठक में की विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा

वर्षाकाल पूर्व तैयारियों, अतिक्रमण, सीएम हेल्पलाइन और जल निकासी व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा के आयुक्त अक्षत जैन ने सोमवार को आयोजित टीएल बैठक में विभिन्न विभागीय कार्यों, सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों, वर्षाकाल पूर्व तैयारियों, अतिक्रमण, बिल्डिंग परमिशन तथा जनहित से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की बैठक के दौरान वार्ड क्रमांक-1 में नाली पर अतिक्रमण की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए आयुक्त ने तत्काल स्थल निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। वहीं वार्ड क्रमांक-40 में नल कनेक्शन से संबंधित प्रकरण पर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर शीघ्र कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतों के निराकरण के बाद शिकायतकर्ताओं को लिखित सूचना देना अनिवार्य होगा खैरी नई बस्ती में नाले के ऊपर झुग्गी-झोपड़ी निर्माण से उत्पन्न जलभराव की समस्या पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आयुक्त ने वर्षा ऋतु से पूर्व अतिक्रमण हटाने और नाले की सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी वार्ड नोडल अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर नालों की शत-प्रतिशत सफाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान लंबित शिकायतों के त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण के निर्देश दिए गए। बिल्डिंग परमिशन के 38 लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र निस्तारण के आदेश दिए गए। संबल योजना के लंबित प्रकरणों का भी तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए गए आयुक्त ने मानस भवन के पास डंप कचरे को तुरंत हटाने, रिवर फ्रंट एवं रानी तालाब की स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने तथा पूर्ण हो चुके क्षेत्रों में रोड रिस्टोरेशन कराने के निर्देश दिए। वर्षाकाल पूर्व तैयारियों के तहत मॉक ड्रिल आयोजित करने और जलभराव रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर भी जोर दिया गया भू-जल स्तर में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए रिचार्ज पिट निर्माण को बढ़ावा देने तथा स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए गए बैठक में निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम रीवा क्षेत्र में जनगणना 2027 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक पूर्ण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य नगर निगम रीवा क्षेत्र में सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है यह कार्य निगम आयुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी अक्षत जैन के निर्देशन तथा नगर जनगणना अधिकारी प्रकाश द्विवेदी के नेतृत्व में संपादित किया गया जनगणना के इस चरण में नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी भवनों, मकानों एवं अन्य संरचनाओं से आधारभूत जानकारी का संकलन किया गया। इस कार्य में प्रगणक, सुपरवाइजर, जोनल अधिकारी और तकनीकी अमला समन्वित रूप से लगे रहे और निर्धारित समय में अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया उपायुक्त एवं नगर जनगणना अधिकारी प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाती है। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और तकनीकी अमले की समयबद्ध कार्यप्रणाली और समर्पण की सराहना की प्रथम चरण में नगर निगम क्षेत्र के आवासीय और गैर-आवासीय भवनों का सर्वेक्षण किया गया और आवश्यक सूचनाओं का संकलन किया गया चार्ज अधिकारी एवं सुपरवाइजर नियमित मॉनिटरिंग करते रहे और तकनीकी अमले ने आंकड़ों का सत्यापन और संधारण सुनिश्चित किया जनगणना कार्य को त्रुटिरहित और प्रभावी बनाने के लिए प्रगणकों और सुपरवाइजरों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया गया, साथ ही मैदानी स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। नागरिकों द्वारा सर्वेक्षण में सहयोग प्रदान करने की भी विशेष सराहना की गई।

पटपरा को मिली प्रशासनिक सौगात, सांसद ने किया नायब तहसीलदार न्यायालय का शुभारंभ

अब नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे दूर-दराज के चक्कर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को राजस्व एवं प्रशासनिक सेवाएं उनके द्वार पर उपलब्ध कराने की दिशा में सोमवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई। उप तहसील (टप्पा) पटपरा में नायब तहसीलदार न्यायालय का शुभारंभ सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा विधिवत किया गया। न्यायालय के प्रारंभ होने से अब क्षेत्रवासियों को नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, भू-अभिलेख सुधार तथा अन्य राजस्व मामलों के लिए दूरस्थ तहसील कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि स्थानीय स्तर पर ही उनके प्रकरणों का निराकरण संभव हो सकेगा शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि प्रशासनिक एवं न्यायिक सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक सरल सुलभ और समयबद्ध रूप से पहुंचें। ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व न्यायालयों का विस्तार सुशासन की अवधारणा को मजबूत करने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि जब प्रशासन लोगों के करीब पहुंचता है तो समस्याओं का समाधान भी तेजी से होता है और जनता का विश्वास भी बढ़ता है सांसद ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा स्थानीय स्तर पर राजस्व न्यायालय की मांग की जा रही थी। नायब तहसीलदार न्यायालय के प्रारंभ होने से न केवल आमजन का समय और धन बचेगा, बल्कि राजस्व मामलों के निराकरण में भी गति आएगी। इससे ग्रामीणों को त्वरित राहत मिलने के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता भी बढ़ेगी उपखंड अधिकारी चुरहट विकास आनंद ने कहा कि पटपरा क्षेत्र के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। न्यायालय के संचालन से स्थानीय स्तर पर राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण संभव होगा तथा नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार न्यायालय के शुभारंभ का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। वक्ताओं ने कहा कि इससे विशेष रूप से ग्रामीण, किसान और दूरस्थ गांवों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा तथा राजस्व संबंधी कार्यों के लिए अनावश्यक भागदौड़ कम होगी कार्यक्रम में समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान, के.के. तिवारी, जिला पंचायत सदस्य मनोज सिंह, तहसीलदार साक्षी गौतम सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सांसद पर भीड़ का हमला

संपादकीय

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद एवं पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर भीड़ ने ऐसा हमला किया कि लोकतंत्र पर सवाल उठने लगे। अभिषेक पर अंडे फेंके गए, पत्थर मारे गए, लात-थप्पड़ तक चले, उनकी कमीज फाड़ दी गई, उन्हें 'चोर, चोर' कहा गया, उनका चश्मा भी तोड़ दिया गया। सांसद को हेलमेट पहना कर, किसी तरह, वहां से निकाला गया। वह अब भी अस्पताल में भर्ती बताए जाते हैं। पश्चिम बंगाल के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की, 15 लंबे सालों की सत्ता के बाद, करारी पराजय हुई है। मुख्यमंत्री रहीं एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी तक हार गईं। अभिषेक ममता के ही सगे भतीजे हैं। बंगाल की जनता ने जनादेश के जरिए अपना गुस्सा, असंतोष, तृणमूल सरकार के प्रति नाराजगी और अस्वीकृति जता दी है। लोकतंत्र का बुनियादी अध्याय यहीं समाप्त होना चाहिए। अभिषेक पर भ्रष्टाचार, कटमनी, अवैध संपत्तियों, कोयला घोटाला, शिक्षा भर्ती घोटाला और धनशोधन के कई गंभीर आरोप हैं। जांच एजेंसियां और अदालत अपना काम कर रही हैं। अभिषेक दक्षिण 24, परगना के सोनारपुर इलाके में चुनावी हिंसा के शिकार पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिलने तथा सहानुभूति जताने जा रहे थे। संभव है कि उस इलाके में सडक़ों, बिजली, पानी, नालियों का रखरखाव और उनकी व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी, लिहाजा लोगों का उत्तेजित होना, हारे हुए नेता के खिलाफ नारेबाजी करना, सीमित विरोध-प्रदर्शन करना स्वाभाविक है, लेकिन वह सब कुछ कानून-व्यवस्था के दायरे में किया जाना चाहिए। संयम और नियंत्रण की 'लाल लकीर' पार नहीं की जानी चाहिए, लेकिन भारत में सब कुछ उलट ही होता है। भीड़ कानून नहीं बना सकती। भीड़ सजा नहीं सुना सकती और न ही सजा दे सकती है। भीड़ का ऐसा व्यवहार पूरी तरह कानूनहीनता है। चुनाव तो देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी, कई मुख्यमंत्री और मंत्री हारे हैं। भीड़ शारीरिक हिंसा पर आमादा नहीं हो सकती। भारत में भीड़ अक्सर निरंकुश और हिंसक रही है। यह देश के कई हिस्सों में दंगों के दौरान देखा गया है। भीड़ पथराव करती है, लाठियां-तलवारें चमकाती है और पेट्रोल बम तक भी फेंकती है। क्या फिर भी हम 'महान लोकतंत्र' हैं? क्या इन आपराधिक हरकतों को 'लोकतंत्र' माना जा सकता है?

तीन बार के निर्वाचित सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ भीड़ ने जो किया है, वह निश्चित तौर पर अराजकता, सड़किया गुंडई, बेलगाम हिंसा, उन्माद, उच्छृंखलता के अलावा कुछ भी नहीं है। भीड़ का एक चेहरा देश के रक्षा-कृषि मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद शरद पवार को थप्पड़ रसीद कर देता है, केंद्रीय वित्त-गृह मंत्री रहे और अब भी राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम पर जूता उछाला जाता है, दिल्ली के 10 साल मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के चेहरे पर कई बार कालिख पोती गई। बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पथराव किया गया।

सोशल मीडिया की चमक या असली जनसमर्थन? 'काकरोच जनता पार्टी' पर बड़ा सवाल !

श्याम यादव

देश में इन दिनों 'काकरोच जनता पार्टी' अचानक चर्चा के केंद्र में आ गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कम समय में मिली इसकी लोकप्रियता ने राजनीतिक गलियारों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वायरल वीडियो, युवाओं की सक्रिय भागीदारी और व्यवस्था विरोधी भाषा ने इसे केवल इंटरनेट की हलचल भर नहीं रहने दिया, बल्कि एक गंभीर राजनीतिक संकेत में बदल दिया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस मंच के पास अभी न कोई स्पष्ट विचारधारा दिखाई देती है, न विस्तृत घोषणापत्र और न ही पारंपरिक राजनीति जैसा मजबूत ढांचा। इसके संस्थापक अभिजीत दीपके भी कोई स्थापित राजनीतिक चेहरा नहीं रहे हैं। इसके बावजूद जिस तेजी से युवाओं का समर्थन इस मंच की ओर बढ़ रहा है, वह कई सवाल खड़े करता है। क्या यह केवल सोशल मीडिया का क्षणिक उत्साह है या फिर युवाओं के भीतर बढ़ती नाराजगी का संकेत?

दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में युवाओं के भीतर एक बेचैनी लगातार बढ़ी है। बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ियां, बढ़ती महंगाई और अवसरों की कमी ने बड़ी संख्या में युवाओं को निराश किया है। छोटे शहरों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के बीच यह नाराजगी अधिक गहराई से महसूस की जा सकती है। पारंपरिक राजनीतिक दलों के लंबे वादों और सीमित परिणामों से भी एक वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस करता है।

ऐसे माहौल में जब कोई मंच युवाओं की भाषा में बात करता है, व्यवस्था पर तंज कसता है और उनके गुस्से को खुलकर अभिव्यक्ति देता है, तो उसका तेजी से लोकप्रिय होना स्वाभाविक है। 'काकरोच जनता पार्टी' की लोकप्रियता को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह केवल एक राजनीतिक प्रयोग नहीं, बल्कि उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जिसमें युवा अब स्थापित ढांचों से अलग कुछ नया तलाशना चाहता है।

यही वजह है कि इस मंच की तुलना कई लोग उस दौर से भी कर रहे हैं जब अन्ना हजारे आंदोलन और बाद में अरविंद केजरीवाल की राजनीति ने युवाओं के भीतर अचानक ऊर्जा पैदा कर दी थी। उस समय भी सोशल मीडिया ने माहौल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन अंततः संगठन और जमीन पर सक्रियता ने ही उस आंदोलन को राजनीतिक ताकत में बदला।

हालांकि भारतीय राजनीति केवल डिजिटल लोकप्रियता से नहीं चलती। चुनावी राजनीति में आखिरकार वही दल टिकते हैं जिनके पास मजबूत संगठन, बूथ स्तर तक कार्यकर्ता और लगातार जनता के बीच मौजूद रहने की क्षमता होती है। देश में ऐसे कई उदाहरण रहे हैं जहां सोशल मीडिया पर भारी समर्थन दिखा, लेकिन वह समर्थन वोटों में तब्दील नहीं हो पाया। कारण साफ है–मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई देने वाला गुस्सा हमेशा मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचता।

इसके बावजूद इस उभरती हुई प्रवृत्ति को हल्के में लेना भी ठीक नहीं होगा। क्योंकि यह लोकप्रियता किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस असंतोष की है जो धीरे-धीरे युवाओं के भीतर जमा होता गया है। यदि यह असंतोष संगठित रूप लेता है और जमीनी नेटवर्क में बदलता है, तो आने वाले समय में यह पारंपरिक राजनीति के लिए चुनौती बन सकता है।

फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि 'काकरोच जनता पार्टी' ने देश की राजनीति के सामने एक आईना रख दिया है। यह आईना बता रहा है कि युवा केवल भाषण नहीं, बल्कि अपनी समस्याओं पर सीधी और ईमानदार बातचीत चाहता है। अब देखना यह होगा कि यह लहर सोशल मीडिया की सीमाओं में सिमट कर रह जाती है या सचमुच राजनीतिक जमीन पर कोई नया अध्याय लिखती है।

(राजनीतिक लेखक / टिप्पणीकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

झूठे वादों और असफल नीतियों का एक अंतहीन चक्र

कुमार कृष्णन

-बिहार के वैशाली में एक सेप्टिक टैंक के भीतर एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत;

-छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक अस्पताल के सेप्टिक टैंक के भीतर तीन कर्मचारियों की मौत;

-मध्य प्रदेश के इंदौर में बचाव कार्य के दौरान सीवर कर्मचारियों की मौत;

-दिल्ली के सीमापुरी में एक संविदा सफाई कर्मचारी की मौत, जिसे कथित रूप से खतरनाक खुले नाले की सफाई के लिए मजबूर किया गया;

-हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में ठेकेदारों और नगर निकायों के सफाई कार्यों के दौरान हुई कई सीवर मौतें;

-औद्योगिक ड्रेनेज टैंकों और सीवेज चैम्बरों में बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के काम करते हुए प्रवासी मजदूरों की मौतें।

ये मौतें उस समय हो रही हैं जब 'मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013' के तहत खतरनाक मैनुअल स्कैवेंजिंग पर कानूनी प्रतिबंध लागू है; सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मशीनीकरण और मुआवजे को लेकर कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं; तथा सरकारें बार-बार मैनुअल स्कैवेंजिंग समाप्त करने के दावे करती रही हैं।भारत में, हाथ से मैला ढोने वालों की गरिमा और बुनियादी अधिकारों की लड़ाई अभी भी जारी है ।किए गए वादे भुला दिए गए हैं।

मार्च-मई 2026 के दौरान विभिन्न राज्यों से सामने आई सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों की चिंताजनक श्रृंखला की पृष्ठभूमि में आयोजित की गई। केवल इन तीन महीनों के दौरान ही कम-से-कम 36 सफाई कर्मचारियों की सीवर, सेप्टिक टैंक, नालों और सीवेज चैम्बरों की सफाई करते समय अत्यंत असुरक्षित और अवैध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। ये मौतें बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से रिपोर्ट की गई।मृतक कर्मचारी मुख्यतः वाल्मीकि समुदाय और अन्य ऐतिहासिक रूप से हाशिये पर रहे समुदायों या प्रवासी मजदूरों से थे तथा अधिकांशतः अनौपचारिक ठेकेदारी व्यवस्था के माध्यम से कार्यरत थे, जो नगर निकायों, निजी संस्थानों, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों को जवाबदेही से बचाती रहती है। लगभग हर मामले में कर्मचारियों को ऑक्सीजन सिलेंडर, ब्रीदिंग अपरेटस, गैस डिटेक्टर, सुरक्षा पोशाक, हार्नेस या आपातकालीन बचाव प्रणाली के बिना अत्यधिक जहरीले बंद स्थानों में उतरने के लिए मजबूर किया गया।इनमें से कई मौतों में एक ही भयावह ढंग देखने को मिला, जो भारत में सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों में आम हैः एक कर्मचारी चैम्बर में उतरता है और जहरीली गैस या ऑक्सीजन की कमी के कारण बेहोश होकर गिर जाता है, जिसके बाद अन्य कर्मचारी उसे बचाने के प्रयास में अंदर जाते हैं और वही असुरक्षित परिस्थितियाँ उनकी भी जान ले लेती हैं। यह लगातार दोहराई जाने वाली 'रेस्क्यू-चेन फेटैलिटी' स्थिति बुनियादी बंद-स्थान सुरक्षा प्रोटोकॉल की पूरी अनुपस्थिति को उजागर करती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति को पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बिना सीवर या सेप्टिक टैंक में नहीं उतारा जाना चाहिए तथा सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों के लिए 30 लाख रुपये मुआवजे का निर्देश दिया है। इसके बावजूद पूरे देश में खतरनाक मैनुअल एंट्री बिना किसी जवाबदेही के लगातार जारी है।केंद्र सरकार ने स्वयं संसद में जानकारी दी कि 2017 से लेकर 2026 की शुरुआत तक 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कार्यों के दौरान 622 सफाई कर्मचारियों की मौत हुई। सरकार ने आगे बताया कि--2021 से 2025 के बीच खतरनाक सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कार्यों में 317 सफाई कर्मचारियों की मौत हुई;अप्रैल 2026 तक नमस्ते योजना के तहत 89,248 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की प्रोफाइलिंग की गई। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद 52 प्रभावित परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिला था।वास्तविक मौतों की संख्या संभवतः इससे कहीं अधिक है क्योंकि अनेक मौतों को मैनुअल स्कैवेंजिंग मौतों के बजाय सामान्य कार्यस्थल दुर्घटना के रूप में दर्ज कर दिया जाता है। अनौपचारिक और आउटसोर्स ठेकेदारी व्यवस्था भी श्रम उल्लंघनों और मौतों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।वास्तविक मौतों की संख्या संभवतः इससे कहीं अधिक है क्योंकि अनेक मौतों को मैनुअल स्कैवेंजिंग मौतों के बजाय सामान्य कार्यस्थल दुर्घटना के रूप में दर्ज कर दिया जाता है। अनौपचारिक और आउटसोर्स ठेकेदारी व्यवस्था भी श्रम उल्लंघनों और मौतों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।मैनुअल स्कैवेंजिंग की निरंतरता गहरे जातिगत भेदभाव, श्रम शोषण, प्रशासनिक लापरवाही, सुरक्षा मानकों के कमजोर क्रियान्वयन और सरकारों तथा नागरिक निकायों द्वारा बार-बार वादों के बावजूद मशीनीकृत सफाई व्यवस्था लागू न करने की विफलता को दर्शाती है।

म्युनिसिपल वर्कर्स लाल झंडा यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष धर्मेंद्र भाटी बताते हैं कि , ' सरकार दावा करती है कि सफाई कार्य का मशीनीकरण हो चुका है, लेकिन ज़मीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। इस काम से सीवर कर्मचारियों का स्वास्थ्य सबसे अधिक प्रभावित होता है। पहले हर महीने लगभग 10-13 मौतें होती थीं, लेकिन अब 15-20 मौतें सामने आ रही हैं। मार्च के महीने में सीवर के भीतर जहरीली गैसें काफी बढ़ जाती हैं।' 'दिल्ली जल बोर्ड में ठेकेदारी व्यवस्था सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। 1998 में डीजेबी में लगभग 36,000 स्थायी कर्मचारी थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर लगभग 10,000 रह गई है। सरकार संविदा सीवर कर्मचारियों की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। उन्हें न्यूनतम वेतन, सुरक्षा उपकरण, प्रशिक्षण, ईएसआई कार्ड और नियमित स्वास्थ्य जांच तक नहीं मिलती। पहले हर छह महीने में स्वास्थ्य जांच होती थी, लेकिन अब कर्मचारियों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। सीवर कर्मचारी हर दिन जहरीली गैसों के संपर्क में आते हैं, जिससे वे गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। 'उनके अनुसार 'यदि कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतन मिलता, तो वे रविवार या खाली समय में मात्र 400-500 रुपये प्रतिदिन के लिए सीवर में उतरकर अपनी जान जोखिम में नहीं डालते। मृत कर्मचारियों के परिवारों को निश्चित समयसीमा के भीतर मुआवजा मिलना चाहिए, क्योंकि कई परिवार अंतिम संस्कार तक करने में असमर्थ होते हैं। सभी सीवर कर्मचारियों को डीजेबी में स्थायी नौकरी दी जानी चाहिए, संविदा कर्मचारियों को नियमित किया जाना चाहिए और सरकार व प्रशासन को उनके कल्याण के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।' अधिवक्ता कवलप्रीत कौर के अनुसार, दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच की रिपोर्ट के अनुसार केवल तीन महीनों में 36 सीवर कर्मचारियों की मौत हुई, यानी हर महीने औसतन 12 मौतें। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट, 2013 और कई अदालती फैसलों के बावजूद ये मौतें जारी हैं।बलराम सिंह मामले में सीवर मौतों के लिए मुआवजा बढ़ाकर 30 लाख रुपये किया गया, लेकिन सवाल यह है कि कर्मचारी आज भी 400-500 रुपये प्रतिदिन के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर क्यों हैं? ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ हैं जो कर्मचारियों को जानबूझकर मौत के कुएँ में उतरने के लिए मजबूर करती हैं? यह प्रशासन और समाज दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि कर्मचारियों को गुलामी जैसी परिस्थितियों में धकेला जा रहा है। 'ठेका प्रणाली में न तो नगर निकाय और न ही ठेकेदार कर्मचारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हैं। नियमित व्यवस्था में कम-से-कम राज्य जवाबदेह होता है। कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन तक नहीं मिल रहा, जिसे अदालतों ने बंधुआ मजदूरी का एक रूप माना है। सीवर कर्मचारियों को केवल न्यूनतम नहीं बल्कि जीवन-निर्वाह योग्य वेतन मिलना चाहिए। चूँकि सीवर कार्य सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, इसलिए सफाई कर्मचारियों को फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित कर स्थायी रोजगार दिया जाना चाहिए। 'कोई भी सीवर कर्मचारियों की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की बात नहीं करता। उन्हें उचित स्वास्थ्य सेवा और दीर्घकालिक चिकित्सीय सहायता से वंचित रखा जाता है। मृत्यु पर 30 लाख रुपये और चोट पर 20 लाख रुपये का मुआवजा भी पर्याप्त नहीं है। सफाई कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन और जीवन-निर्वाह योग्य वेतन मिलना चाहिए। 'अखिल भारतीय निगम मजदूर अधिकार यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव पालिवाल के अनुसार, 'सीवर कर्मचारियों की 36 मौतें बेहद निंदनीय हैं और ज़मीनी स्थिति बहुत दयनीय है। भारत की स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद भी दलितों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। सरकार को पीड़ितों के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि उनके पीछे परिवार हैं, जो कर्मचारी की मृत्यु के बाद गरीबी और बेबसी का जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं।' 'कम-से-कम पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि ये परिवार और अधिक पीड़ा न झेलें। सफाई कर्मचारियों के कल्याण और बेहतर कार्य परिस्थितियों के लिए हमें एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान शुरू करना चाहिए। प्रशासन को नीतियों और वैधानिक कानूनों को पूरी तरह लागू करना चाहिए ताकि इन मौतों को रोका जा सके, अन्यथा मज़बूत मशीनीकरण और उचित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। 'दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच की राष्ट्रीय समन्वयक मोहसिना अख्तर के अनुसार 'मार्च से मई 2026 के बीच ही कम-से-कम 36 सफाई कर्मचारियों ने सीवर, सेप्टिक टैंक, नालों, मैनहोल और सीवेज चैम्बरों की सफाई करते हुए असुरक्षित, अवैध और अमानवीय परिस्थितियों में अपनी जान गंवाई। ये मौतें जाति-आधारित सफाई श्रम, संस्थागत लापरवाही, कानूनों के कमजोर क्रियान्वयन, मशीनीकरण की कमी, शोषणकारी ठेकेदारी व्यवस्था और जवाबदेही से व्यवस्थित इनकार की निरंतर वास्तविकता को उजागर करती हैं। 'विभिन्न राज्यों से सामने आए ये मामले एक राष्ट्रीय पैटर्न को दर्शाते हैं, जहाँ कर्मचारियों को बिना सुरक्षा उपकरण, ऑक्सीजन सहायता, गैस डिटेक्टर, ब्रीदिंग अपरेटस या बचाव प्रणाली के जहरीले बंद स्थानों में उतरने के लिए मजबूर किया जाता है। अनौपचारिक और अनियमित ठेकेदारी व्यवस्था सफाई कार्य पर हावी बनी हुई है, जिसके कारण लगातार रेस्क्यू-चेन मौतें, मुआवजे में देरी और जिम्मेदारी से इनकार देखने को मिलता है। दलित समुदाय, विशेष रूप से वाल्मीकि और अन्य ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित जातियाँ, साथ ही प्रवासी और आर्थिक रूप से कमजोर मजदूर, आज भी असमान रूप से खतरनाक सफाई कार्यों में धकेले जा रहे हैं।' 'ये मौतें अलग-थलग दुर्घटनाएँ नहीं हैं, बल्कि संरचनात्मक जातिगत भेदभाव, शोषणकारी श्रम व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता, कानून के कमजोर क्रियान्वयन और खतरनाक सफाई प्रथाओं पर निर्भरता का परिणाम हैं। मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 तथा सर्वोच्च न्यायालय के बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद पूरे देश में खतरनाक मैनुअल सफाई जारी है। 'मैनुअल स्कैवेंजिंग और खतरनाक सफाई कार्य गंभीर दीर्घकालिक शारीरिक, न्यूरोलॉजिकल, मनोवैज्ञानिक और व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रभाव भी उत्पन्न करते हैं, जिनमें जहरीली गैस से दम घुटना, श्वसन रोग, त्वचा संक्रमण, मस्कुलोस्केलेटल विकार, न्यूरोलॉजिकल जटिलताएँ, डूबने का खतरा, मानसिक आघात, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ, नशे की निर्भरता और जीवन प्रत्याशा में कमी शामिल हैं। इसके बावजूद व्यावसायिक स्वास्थ्य निगरानी, नियमित चिकित्सीय जांच, बीमा कवरेज, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, मुआवजा और पुनर्वास सहायता लगभग अनुपस्थित हैं।' इन लोगों ने मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट और श्रम सुरक्षा कानूनों का सख्ती से पालन करने, खतरनाक सफाई कार्यों के लिए जिम्मेदार ठेकेदारों, नगर अधिकारियों, उद्योगों और संस्थानों की आपराधिक जवाबदेही तय करने,सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कार्यों का सार्वभौमिक मशीनीकरण करने, बंद-स्थान सुरक्षा प्रोटोकॉल का तत्काल अनिवार्य क्रियान्वयन;प्रभावित परिवारों को समयबद्ध मुआवजा और पुनर्वास;सफाई कर्मचारियों के लिए स्थायी वैकल्पिक आजीविका;सीवर और सेप्टिक टैंक मौतों को अलग-थलग दुर्घटना नहीं बल्कि संरचनात्मक जातिगत हिंसा के रूप में मान्यता देने, मैनुअल स्कैवेंजिंग की अमानवीयता और अवैधता के बारे में व्यापक सार्वजनिक एवं संस्थागत जागरूकता अभियान चलाने की मांग की गई।सामूहिक रूप से तत्काल आपराधिक जवाबदेही, सफाई व्यवस्था के पूर्ण मशीनीकरण, सफाई कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य ढाँचे, समयबद्ध मुआवजा और पुनर्वास, देशव्यापी स्वतंत्र ऑडिट, सफाई कर्मचारियों की मौतों का पारदर्शी राष्ट्रीय डेटाबेस, संस्थागत प्रशिक्षण और जाति-आधारित सफाई श्रम व्यवस्था को समाप्त करने हेतु दीर्घकालिक उपायों की मांग की गई।सफाई कर्मचारियों की लगातार मौतें भारत में जाति-आधारित संरचनात्मक हिंसा के सबसे गंभीर और स्थायी रूपों में से एक हैं। ये कर्मचारी कोई उपेक्षित मजदूर नहीं हैं। वे ऐसे इंसान हैं जिन्हें गरिमा, समानता, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और संवैधानिक संरक्षण का अधिकार है। मार्च से मई 2026 के बीच दर्ज हुई मौतें यह साबित करती हैं कि कानूनी प्रतिबंध, अदालती निर्देशों और उन्मूलन के सरकारी दावों के बावजूद सीवर और सेप्टिक टैंकों की खतरनाक मैनुअल सफाई जारी है। जब तक सख्त जवाबदेही, पूर्ण मशीनीकरण, व्यापक पुनर्वास, व्यावसायिक स्वास्थ्य सुरक्षा और जाति-आधारित सफाई श्रम व्यवस्था को समाप्त करने के गंभीर प्रयास नहीं किए जाते, तब तक सफाई कर्मचारी ऐसे खतरनाक कार्य करते हुए मरते रहेंगे जिनके लिए किसी भी इंसान को कभी सीवर में उतरने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच ने केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, न्यायपालिका, मानवाधिकार संस्थाओं तथा नागरिक समाज से अपील करता है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी कर्मचारी को दोबारा अपनी आजीविका कमाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर सीवर या सेप्टिक टैंक में उतरने के लिए मजबूर न होना पड़े।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा ख़तरा है इस्राईल

दशकों से वैश्विक स्तर पर ईरान को एक खलनायक राष्ट्र के रूप में पेश करने की घिनौनी साज़िश रची जाती रही है। इस्राइल यह बार बार दोहराता रहा है कि उसे डर है कि यदि ईरान परमाणु बम बना लेता है तो उसका अस्तित्व ख़तरे में पड़ सकता है। यह दुष्प्रचार तब किया जाता है जबकि ईरान में इस्लामी क्रांति के नेता आयतुल्लाह ख़ुमैनी द्वारा परमाणु बम को मानवता विरोधी बताते हुये इसके निर्माण के विरुद्ध फ़तवा तक दिया जा चुका है।

तनवीर जाफ़री

उधर ईरान के किसी भी धर्मगुरु या नेता ने आज तक परमाणु बम बनाने की बात भी नहीं की है। परन्तु इराक़ में सद्दाम हुसैन की तर्ज़ पर ईरान को भी केवल मीडिया प्रोपेगंडा कर बार बार खलनायक प्रमाणित करने की कोशिश की जाती रही है। दरअसल इसकी एक वजह यह भी है कि अमेरिकी-इस्राईली प्रभाव वाले ईरानी शासक मोहम्मद रज़ा शाह पहलवी ने तो 1948 में इस्राइल को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता तो दी थी परन्तु 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने इस्राइल की मान्यता भी समाप्त कर दी साथ ही उसे सियोनवादी शासन भी घोषित कर दिया।

परन्तु यदि हम ईरान व इस्राईल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखें तो 1967 के युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक और ग़ज़ा पर क़ब्ज़ा जमाकर फ़िलिस्तीन पर अपना नियंत्रण करना शुरू कर दिया था। तब से लेकर आज तक इस्राइल पूरे क्षेत्र में बर्बरीयत व हिंसा करता आ रहा है। इसके पीछे उस ग्रेटर इस्राइल के गठन व निर्माण की एक ज़ायोनिस्ट (यहूदीवादी) विस्तारवादी अवधारणा काम कर रही है जिसके तहत एक ऐसे विशाल यहूदी राज्य की कल्पना की गई है, जो वर्तमान इस्राइल से कहीं ज़्यादा बड़ा हो और इसमें मध्य पूर्व के कई अरब देशों के क्षेत्रों को शामिल किया जा सके। इस योजना को आधुनिक राजनीतिक संदर्भ में एक विवादित इस्राईली विस्तारवादी परियोजना के रूप में देखा जाता है । ज़ायोनिस्ट के इस काल्पनिक ग्रेटर इस्राइल की भौगोलिक सीमाएं मिस्र की नील नदी से लेकर इराक़ की फ़ुरात (यूफ़्रेट्स) नदी तक और मदीना से लेकर लेबनान तक शामिल हैं। यहाँ तक कि पूरा जॉर्डन, फ़िलिस्तीन (पश्चिमी तट व ग़ज़ा), लेबनान, सीरिया, इराक़, मिस्र, सऊदी अरब के बड़े हिस्से,पवित्र स्थल मक्का, मदीना, और माउंट सिनाई पर क़ब्ज़ा भी इस योजना में शामिल माना जाता है। इसी दूरगामी योजना के मद्देनज़र इस्राईल की सरपरस्ती करते हुये अमेरिका ने दशकों से ईरान का भय दिखाकर तथा शिया सुन्नी मतभेदों को हवा देकर इसी की आड़ में मध्य पूर्व के अनेक देशों में अपने सैन्य ठिकाने भी बना रखे हैं।

दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर ख़ारिज करता है बल्कि फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों ग़ज़ा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा क़ब्ज़ा की गयी ज़मीन को

भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नज़रों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधर अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उदाहरण के तौर पर ग़ज़ा में 7 अक्टूबर 2023 से 19 मई 2026 के मध्य इस्राइली सैन्य कार्रवाई में 72,772 से अधिक निहत्थे बेगुनाह फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 172,707 से भी अधिक है । मृतकों में आधे से अधिक महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं। इसी तरह लेबनान में भी मई 2026 तक इस्राईल के हमलों में 2,255 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहाँ भी मरने वालों में 122 बच्चे, 83 महिलाएं और 42 चिकित्सा कर्मी भी शामिल हैं।

यह इस्राइल ही है जिसने ईरान को ग्रेटर इस्राईल के रास्ते का सबसे बड़ा अड़ंगा समझते हुये अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिये उकसाया। हद तो यह है कि अमेरिका और इस्राइल ने परमाणु वार्ता के दौरान ईरान पर कम से कम दो बार हमला किया। पहला हमला 13 जून 2025 को यानी ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के 5 राउंड की वार्ता के दो दिन बाद किया गया था। इस में इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर भीषण हमला किया, जबकि दोनों देश आगे बातचीत की योजना बना रहे थे। इसी तरह इस्राइल और अमेरिका ने दूसरा हमला 27 फ़रवरी 2026 को, अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता के बीच किया जिसमें ईरान में 30 जगहों पर हमला किया गया, जिसमें तेहरान में ईरानी ख़ुफ़िया एजेंसी की इमारतें, एयरपोर्ट्स, राष्ट्रपति भवन और रिहायशी इलाक़े शामिल थे। साथ ही तेहरान और इस्फ़हान जैसे 30 शहर भी अमेरिका-इस्राइल के निशाने पर थे। इसी हमले में मिनाब में स्कूल के 165 मासूम बच्चे,सर्वोच्च ईरानी नेता ख़ामनेई व अनेक उच्चाधिकारी शहीद हुये थे। इसके अतिरिक्त विश्व में हिंसा व अशांति फैलाने के लिये इस्राईल अनेक बार युद्धविराम का उल्लंघन भी करता आया है। चाहे वह ग़ज़ा का युद्ध विराम हो या लेबनान का युद्ध विराम। इस्राइल ग़ज़ा युद्ध विराम 10 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी मध्यस्थता में लागू हुआ था। परन्तु युद्धविराम के बाद से अब तक लगभग 2000 बार इस्राईली सेना युद्धविराम का उल्लंघन कर चुकी है। और विराम के बाद 700 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 3 हज़ार से ज़्यादा घायल हो चुके हैं। मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध के कारण ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। इसके अतिरिक्त, तुर्की ने भी नेतन्याहू और 36 अन्य इस्राईली अधिकारियों के विरुद्ध नरसंहार के आरोप में अलग से गिरफ़्तारी वारंट जारी किए हैं । आश्चर्यजनक है कि परमाणु हथियार रखने वाला देश इस्राइल, जिसे विश्व के सबसे बड़े नरसंहारक देश के रूप में देखा जा रहा है, व उसका संरक्षक अमेरिका, यदि ईरान जैसे देश को परमाणु हथियार बनाने की झूठ आधारित कथित संभवनाओं के चलते महज़ प्रोपेगंडा फैलाकर विश्व शांति के लिये बड़ा ख़तरा बता रहे हैं जबकि ईरान का मानवता के विरुद्ध अपराध,युद्ध अपराध या दूसरे देशों की ज़मीन पर घुसपैठ जैसे कोई आरोप नहीं हैं। सच तो यह है कि इस्राईल ही विश्व शांति के लिये इस समय सबसे बड़ा ख़तरा है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सीएम मोहन यादव के बयान पर बवाल, कांग्रेस ने पुतला दहन टालकर रामधुन गाकर विरोध जताया

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। नगर में रैली निकालते कांग्रेस नेता नगर में रैली निकालते कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दो कौड़ी की टिप्पणी को लेकर प्रदेशभर में राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील की है उन्होंने कहा कि कांग्रेस गांधीवादी विचारधारा में विश्वास करती है और मुख्यमंत्री के पुतले नहीं जलाए जाएंगे। इसी कड़ी में सोमवार को इटारसी में नगर कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन किया मुर्दाबाद के नारे लगे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोपहर 12 बजे जयस्तंभ चौक पर एकत्र होकर रैली निकाली मोहन यादव मुर्दाबाद के नारे भी लगाए इसके बाद कांग्रेसियों ने रामधुन गाई उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की पहले कांग्रेस ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने का कार्यक्रम घोषित किया था। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के संदेश के बाद कार्यक्रम में बदलाव किया गया। पटवारी ने कार्यकर्ताओं से घृणा का जवाब घृणा से न देने और गांधीवादी तरीके से विरोध दर्ज कराने की अपील की थी।

जल जीवन मिशन का कमाल: लरघाडंडी में हर घर पहुंचा पानी, बदली ग्रामीणों की जिंदगी

नियमित जलापूर्ति, जल संरक्षण और जनसहभागिता से गांव बना विकास का प्रेरणादायक मॉडल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत दूधांसी के आश्रित ग्राम लरघाडंडी में जल जीवन मिशन ने ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिख दी है। कभी पेयजल संकट से जूझने वाला यह गांव आज स्वच्छ पेयजल की नियमित उपलब्धता, जल संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है कुछ वर्ष पहले तक गांव के लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता था। ग्रामीणों की दैनिक जरूरतें हैंडपंप कुओं और नदी के पानी पर निर्भर थीं। विशेष रूप से महिलाओं बुजुर्गों और बच्चों को दूर-दूर तक पैदल चलकर पानी लाना पड़ता था इससे न केवल समय और श्रम की हानि होती थी बल्कि कई बार पेयजल की गुणवत्ता को लेकर भी चिंताएं बनी रहती थीं जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद अब गांव की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकसित जल स्रोत 10 हजार लीटर क्षमता की पानी टंकी तथा मोटर पंप आधारित जलापूर्ति व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है गांव में बिछाई गई पाइपलाइन के जरिए अब प्रत्येक घर तक पानी पहुंच रहा है जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है ग्रामीणों का कहना है कि घर तक पानी पहुंचने से उनके जीवन में सुविधा और समय की बचत हुई है महिलाओं को अब पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती जिससे वे अपने परिवार और अन्य कार्यों पर अधिक ध्यान दे पा रही हैं। वहीं बच्चों को भी पढ़ाई के लिए अधिक समय मिल रहा है इस सफलता के पीछे ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की सक्रिय भूमिका और ग्रामीणों की सहभागिता महत्वपूर्ण रही है समिति द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और जल के समुचित उपयोग के प्रति लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है इसके परिणामस्वरूप गांव में सामूहिक जिम्मेदारी और जल संरक्षण की भावना मजबूत हुई है आज लरघाडंडी केवल पेयजल सुविधा से संपन्न गांव ही नहीं, बल्कि जल प्रबंधन जनसहभागिता और सतत विकास का एक प्रेरणादायक मॉडल बन चुका है जल जीवन मिशन की यह सफलता कहानी साबित करती है कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीणों की सहभागिता से गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली जा सकती हैं।

उत्कर्ष योजना की प्रवेश परीक्षा स्थगित, नई तिथि का इंतजार

26 जुलाई को प्रस्तावित लिखित परीक्षा फिलहाल टली, शासन जल्द जारी करेगा संशोधित कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है यह परीक्षा 26 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली थी लेकिन प्रवेश प्रक्रिया तथा आवंटित संस्थाओं के इम्पैनलमेंट कार्य में विलंब के कारण इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब यह परीक्षा निर्धारित तिथि पर आयोजित नहीं होगी इस संबंध में कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास), मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को आवश्यक सूचना जारी कर दी गई है विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार का आवेदन जमा नहीं किया जाए। अधिकारियों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश शासन स्तर से प्राप्त होने के बाद परीक्षा की नई तिथि एवं आगे की कार्यवाही की जानकारी अलग से जारी की जाएगी। प्रशासन ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी केवल अधिकृत शासकीय स्त्रोतों से ही प्राप्त करें। साथ ही किसी भी प्रकार की भ्रामक या अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करने की सलाह दी गई है उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन की सुविधा प्रदान की जाती है जिससे उनके शैक्षणिक और प्रतिस्पर्धात्मक विकास को नई दिशा मिलती है शासन द्वारा परीक्षा की नई तिथि और प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित अद्यतन जानकारी शीघ्र जारी किए जाने की संभावना है यह प्रारूप समाचार-पत्र प्रकाशन के लिए उपयुक्त है जिसमें शीर्षक उपशीर्षक और समाचार शैली का संतुलित उपयोग किया गया है।

कटकोना में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर, हजारों ग्रामीणों को मौके पर मिला समाधान

स्वास्थ्य मंत्री: शासन अब गांव-गांव पहुंच रहा, जनता की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2026 के तहत विकासखंड खड़गवां के ग्राम पंचायत कटकोना में आयोजित विशाल जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में आठ ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लिया। 'संवाद से संपूर्ण समाधा की अवधारणा पर आधारित इस शिविर में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, रोजगार और अन्य विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया शिविर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत सदस्य ममता सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने भाग लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं है बल्कि गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है इस अवसर पर 1194 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें बड़ी संख्या का मौके पर समाधान किया गया। किसानों महिलाओं और अन्य हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, किसान किताब, मुख्यमंत्री सहायता योजना के चेक, ड्रेस और अन्य लाभ वितरण किए गए। शिविर में नशा मुक्ति अभियान के तहत ग्रामीणों को जागरूक किया गया और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने की शपथ दिलाई गई कलेक्टर ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए समयबद्ध निराकरण का आश्वासन दिया। जिला पंचायत सदस्य ममता सिंह ने कहा कि यह शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन की सक्रियता और त्वरित सेवा से संतोष व्यक्त किया, जिससे सुशासन तिहार का उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा हुआ।

ग्वालियर पुलिस ने सोने-चांदी चोरी के गिरोह के दो और सदस्यों को गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। ग्वालियर जिले की थाना इंदरगंज पुलिस ने सूने मकानों से सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले गिरोह के दो और सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 200 ग्राम सोने का टुकड़ा, 50 ग्राम सोने की चूड़ियां, 12.5 किलो चांदी और एक आई-20 कार सहित लगभग 87 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है इससे पहले गिरोह के मास्टरमाइंड, एक सर्राफा कारोबारी और एक विधि विरुद्ध बालक को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से लगभग 7.25 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद की जा चुकी थी। कुल मिलाकर अब तक लगभग 94 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद हो चुकी है। 05 मई को थाना इंदरगंज में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देशन में तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर तंत्र और सतत निगरानी के माध्यम से आरोपियों की तलाश की गई। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर पनिहार टोल के जंगल क्षेत्र में छिपाई गई लगभग 7.25 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की। चोरी के माल की खरीद-फरोख्त में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच भी जारी है।

तीन माह के चावल वितरण पर भ्रामक खबर का प्रशासन ने किया खंडन

शासन के आदेश में केवल चावल के अग्रिम भंडारण एवं वितरण का प्रावधान, चना-शक्कर-नमक पर नहीं था कोई निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। दैनिक 'आदित्य समय' में 30 मई 2026 को प्रकाशित समाचार 'तीन माह के राशन वितरण का डंका, लेकिन चना-शक्कर गायब' के संबंध में जिला प्रशासन ने तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करते हुए समाचार में किए गए दावों का खंडन किया है। प्रशासन का कहना है कि प्रकाशित समाचार में शासन के आदेशों की वास्तविक मंशा और प्रावधानों को सही रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है जारी स्पष्टीकरण के अनुसार, छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर द्वारा 16 अप्रैल 2026 को जारी आदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अप्रैल, मई एवं जून माह का चावल एकमुश्त भंडारण एवं वितरण करने के निर्देश दिए गए थे। इसका उद्देश्य केवल पात्र हितग्राहियों को चावल की अग्रिम उपलब्धता सुनिश्चित करना था प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उक्त आदेश में कहीं भी चना, शक्कर अथवा नमक का तीन माह के लिए एकमुश्त वितरण करने का कोई प्रावधान नहीं है। इन सामग्रियों का वितरण शासन द्वारा जारी मासिक आवंटन तथा उपलब्ध स्टॉक के आधार पर किया जाता है। इसलिए चावल के अग्रिम वितरण संबंधी आदेश को अन्य राशन सामग्री पर लागू करना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं है जिला प्रशासन ने बताया कि अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं नि:शक्तजन राशन कार्डधारियों को उनकी पात्रता के अनुसार तीन माह का चावल उपलब्ध कराने का ही निर्देश था। आमजन से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी जानकारी केवल अधिकृत शासकीय आदेशों एवं आधिकारिक स्त्रोतों से ही प्राप्त करें तथा भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहें।

तार फेंसिंग में फंसे घायल का साहसिक रेस्क्यू, समय पर अस्पताल पहुंचाकर कराया उपचार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। सागर जिले के थाना बण्डा क्षेत्र में डायल-112 के जवानों ने तत्परता, सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तार फेंसिंग में फंसे घायल को सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसे समय पर उपचार मिल सका जानकारी के अनुसार, राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मोकलमऊ तिराहा के पास एक मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे लगी तार फेंसिंग में फंस गया था और तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता थी सूचना मिलते ही थाना बण्डा क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके पर रवाना किया गया। घटनास्थल पर पहुंचने पर डायल-112 स्टाफ आरक्षक दशरथ एवं पायलट आशीष पटेल ने देखा कि घायल युवक तारों में बुरी तरह फंसा हुआ है। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए जवानों ने एफआरव्ही वाहन में उपलब्ध कटर की सहायता से फेंसिंग के तार काटे और सावधानीपूर्वक घायल को सुरक्षित बाहर निकाला रेस्क्यू के बाद घायल को तत्काल बण्डा अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया गया। साथ ही उसके परिजनों को घटना की सूचना देकर अस्पताल बुलाया गया। समय पर मिली सहायता से घायल को शीघ्र उपचार उपलब्ध हो सका डायल-112 की यह सराहनीय कार्यवाही दर्शाती है कि पुलिस सेवा केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में मानवीय संवेदनाओं और त्वरित कार्रवाई के माध्यम से लोगों की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए भी निरंतर समर्पित है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में जुटी मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेशभर में 20 चरणों में होगा विशेष प्रशिक्षण, हर पुलिसकर्मी को मिलेगी सिंहस्थ ड्यूटी की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। सिंहस्थ-2028 के सफल सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर मध्यप्रदेश पुलिस ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रदेश के सभी जिलों एवं इकाइयों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। यह प्रशिक्षण 1 जून 2026 से दिसंबर 2026 तक 20 चरणों में आयोजित किया जाएगा उप पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) तरुण नायक ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान कानून-व्यवस्था सुरक्षा, यातायात, भीड़ नियंत्रण आपदा प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से पहले 'ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स' (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स अब अपने-अपने जिलों में पुलिस बल को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पुलिस बल विशेष सशस्त्र बल रेडियो शाखा विशेष शाखा, पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों और नगर सेना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा। उद्देश्य यह है कि सिंहस्थ-2028 में तैनात होने वाले शत-प्रतिशत पुलिस बल को समय रहते आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सके प्रशिक्षण मॉड्यूल में सिंहस्थ का ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व मेला क्षेत्र का प्रबंधन शाही स्नान व्यवस्था यातायात नियंत्रण भीड़ प्रबंधन वीआईपी सुरक्षा अभिसूचना संकलन आतंकवाद और नक्सलवाद से संबंधित चुनौतियां आपदा प्रबंधन तथा आधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा सीसीटीवी निगरानी, रेडियो संचार, सोशल मीडिया प्रबंधन, बम निरोधक तकनीक, आईईडी पहचान, प्राथमिक उपचार और सीपीआर का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा पुलिस मुख्यालय ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की व्यवस्था भी की है प्रत्येक बैच की रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेजी जाएगी जिससे प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया जा सके मध्यप्रदेश पुलिस का यह व्यापक प्रशिक्षण अभियान सिंहस्थ-2028 में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम पुलिस बल के माध्यम से सिंहस्थ-2028 को सुरक्षा और सुशासन का आदर्श आयोजन बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक पूर्ण 365 ग्रामों और 122 वार्डों का शत-प्रतिशत कवरेज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनगणना 2027 के अंतर्गत जिले में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित प्रथम चरण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। 1 मई से 30 मई 2026 तक चले इस अभियान में जिले के सभी 365 ग्रामों तथा 122 नगरीय वार्डों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया गया प्रथम चरण के दौरान प्रगणकों ने घर-घर पहुंचकर भारत सरकार द्वारा निर्धारित 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित की। इसमें मकानों की स्थिति, मूलभूत सुविधाएं एवं परिवारों से संबंधित आवश्यक विवरण शामिल थे। सभी आंकड़े मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से संकलित कर सुरक्षित रूप से भारत सरकार के सर्वर पर अपलोड किए गए विशेष रूप से वनाच्छादित एवं दुर्गम क्षेत्र तहसील कोटाडोल में भी प्रगणकों ने समय-सीमा के भीतर घर-घर पहुंचकर सर्वेक्षण कार्य पूरा किया। जिले में इस अभियान के लिए 6 ग्रामीण और 6 नगरीय चार्ज बनाए गए थे, जिनके अंतर्गत 728 गणना ब्लॉकों में कार्य संपादित किया गया जिला प्रशासन ने बताया कि जनगणना के दौरान प्राप्त सभी व्यक्तिगत जानकारियां जनगणना अधिनियम 1948 एवं नियमावली 1990 के तहत पूर्णत: गोपनीय रखी जाएंगी। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ने अभियान को सफल बनाने में योगदान देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रगणकों, सुपरवाइजरों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। जनसंख्या गणना का द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा।

चिरमिरी को 5.32 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात: स्वास्थ्य मंत्री ने सीसी रोड, गौरव पथ, और स्ट्रीट लाइट समेत कई परियोजनाओं का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के चिरमिरी नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने 5 करोड़ 32 लाख रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा सड़क और आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन की मांग की जा रही थी जिसे अब अमलीजामा पहनाया जा रहा है सड़कों और गौरव पथ का होगा निर्माण भूमिपूजन किए गए प्रमुख कार्यों में हल्दीबाड़ी कालीबाड़ी से बड़ा बाजार तक जर्जर सड़क का नवीनीकरण, गोदरीपारा से डोमनहिल तक गौरव पथ निर्माण, छोटा बाजार से रेलवे स्टेशन तक रिटेनिंग वॉल का निर्माण तथा हल्दीबाड़ी से रेलवे स्टेशन तक सीसी रोड का निर्माण शामिल है इसके अलावा क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट लगाने का कार्य भी किया जाएगा जिससे नागरिकों को बेहतर रोशनी और सुरक्षा की सुविधा मिल सकेगी लंबे समय से थी मांग स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि इन कार्यों की मांग क्षेत्र की जनता और नगर निगम के पार्षदों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के सहयोग से इन परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है उन्होंने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों और एसईसीएल से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने में देरी के चलते कार्य प्रारंभ होने में समय लगा लेकिन अब टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी परियोजनाओं का भूमिपूजन कर दिया गया है शहर को मिलेगा आधुनिक स्वरूप मंत्री जायसवाल ने विश्वास जताया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से चिरमिरी शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और आधुनिक नगरीय सुविधाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचेगा उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहर के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सीवर प्लांट में युवक का निर्वस्त्र शव मिला सीवर पाइप में बहकर आया, 10 से 15 दिन पुराना, हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के देहात थाना क्षेत्र स्थित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट में सोमवार दोपहर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकलवाकर जांच शुरू कर दी पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। युवक का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला उसके शरीर पर केवल अंडरवियर था। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक मृतक की उम्र 30 से 40 वर्ष के बीच है। शव करीब 10 से 15 दिन पुराना बताया जा रहा है जिसके कारण उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है पुलिस ने शव निकालकर मोर्चरी में रखवा दिया पुलिस ने शव निकालकर मोर्चरी में रखवा दिया सीवर लाइन से बहकर पहुंचने की आशंका सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि शव संभवत: सीवर पाइपलाइन के जरिए बहकर प्लांट तक पहुंचा है। इसी आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है पुलिस हत्या की आशंका को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर शव को सीवर लाइन में फेंका गया हो, जो बहकर ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंच गया पहचान के प्रयास जारी देहात थाना पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

सागर में जिलाबदर बदमाश युवक को जड़े थप्पड़ःसशर्त माफी पर शहर में रह रहा था; पुलिस ने अरेस्ट कर यूपी बॉर्डर के बाहर खदेड़ा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के कोतवाली थाना क्षेत्र में सशर्त जिलाबदर की माफी पर रह रहे एक बदमाश को बीच सड़क गुंडागर्दी करना भारी पड़ गया। आरोपी ने एक युवक को रोककर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। नया आपराधिक मामला दर्ज होते ही पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया और आरोपी की माफी निरस्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस टीम उसे उत्तर प्रदेश की सीमा पर छोड़ आई। जवाहरगंज वार्ड निवासी फरियादी सुशील साहू ने बताया कि 27 मई की दोपहर वह अपनी एक्टिवा से खेमचंद अस्पताल जा रहे थे। तीनबत्ती इलाके में बनारसी पान दुकान के पास रूपेश उर्फ रिप्पी साहू ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। पुरानी रंजिश को लेकर रूपेश ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब सुशील ने विरोध किया, तो आरोपी ने धक्का-मुक्की करते हुए उन्हें दो थप्पड़ जड़ दिए। आरोपी ने धौंस जमाते हुए यह भी कहा कि वह पहले से ही जिलाबदर है, इसलिए कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

शर्त का उल्लंघन करने पर निरस्त हुई माफीः सीएसपी ललित कश्यप ने बताया कि जिला कलेक्टर ने इसी साल फरवरी में आरोपी रूपेश उर्फ रिप्पी का जिलाबदर आदेश जारी किया था। बाद में संभागायुक्त (कमिश्नर) ने उसे इस शर्त पर माफी दे दी थी कि वह शहर में रहकर किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा। मारपीट की नई घटना सामने आते ही इस शर्त का उल्लंघन माना गया, जिसके बाद रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया और कागजी कार्रवाई पूरी कर सीधे यूपी बॉर्डर के बाहर छोड़ दिया गया।

मंदसौर में ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायलः सड़क पर गिरे पेड़ से बचने के दौरान हुआ हादसा, चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलोदा थाना क्षेत्र अंतर्गत सेजपुरिया गांव के समीप रविवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शंकरलाल मालवीय (55) पिता नागूलाल मालवीय निवासी पाडलिया लालमुहा गांव किसी कार्य से मंदसौर जा रहे थे। इसी दौरान सेजपुरिया गांव के पास सड़क पर एक पेड़ गिरा हुआ था, जिसके कारण रोड बाधित हो गया था। बताया जा रहा है कि शंकरलाल बाइक को किनारे से निकालने का प्रयास कर रहे थे, तभी सामने से आ रहे ट्रैक्टर की तेज रोशनी के रिफ्लेक्शन के कारण उन्हें ठीक से दिखाई नहीं दिया और उनकी बाइक ट्रैक्टर से जा टकराई।

पैर में गंभीर चोट, 22 से अधिक टांके लगेः हादसे में शंकरलाल मालवीय के पैर में गंभीर चोट आई है, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों में भी अंदरूनी चोटें बताई जा रही हैं। घायल के पुत्र समरथ मालवीय ने बताया कि दुर्घटना में उनके पिता के पैर पर 22 से अधिक टांके लगाए गए हैं और उनका उपचार जिला अस्पताल में जारी है।

डायल-112 की मदद से पहुंचाया अस्पतालः घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक और ट्रैक्टर की तलाश शुरू कर दी है।

नर्मदापुरम में कोल्डड्रिंक दुकान में लगी आगः 15 फीट ऊंची उठी लपटे, एक घंटे में पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में जय स्तंभ चौक पर एक कोल्डड्रिंक दुकान में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि 15 फीट ऊंची लपटें उठ रही थी। कुछ ही देर में पूरी दुकान आग की चपेट में आ गई। घटना से हड़कंप मच गया। क्षेत्र के लोग घर से निकलकर जय स्तंभ चौक पहुंच गए। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड बुलाई गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू जा सका। जिससे दुकान का सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दुकान संचालक संजय राठौर ने बताया कि घटना में करीब 5 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।

आसपास की दुकानों में आग फैलने से बचीः कोल्डड्रिंक दुकान में आग की ऊंची ऊंची लपटें उठ रही थी। आसपास कई दुकानें है। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। जिससे आसपास की दुकानों को बड़े नुकसान से बचा लिया गया।

10 लाख के लोन के नाम पर ठगे 9.66 लाखः फेसबुक पर विज्ञापन देखा किया फॉलो

बैंककर्मी बनकर की बात, क्यूआर कोड पर जमा कराई राशि

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के बिलपांक में एक 57 साल के व्यक्ति के साथ सायबर ठगी का मामला सामने आया है। फेसबुक पर विज्ञापन देख 10 लाख का लोन दिलाने के नाम पर ठगों ने 9.66 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने बैंक में इटली की करेंसी को इंडियन करेंसी में बदलने के नाम पर अलग-अलग राशि जमा करवा ली। बिलपांक थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है। बिरमावल निवासी किसान शंकरलाल पाटीदार (57) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि 4 अप्रैल से पहले उसने फेसबुक पर अशोक मल्होत्रा नाम के एक व्यक्ति का विज्ञापन देखा। इसमें लिखा था कि इंडिया वालों को पैसे की जरूरत है तो मैं देता हूं। मेरे द्वारा उस विज्ञापन को फॉलो किया। अशोक मल्होत्रा नामक व्यक्ति का नंबर मेरे वाट्सएप नंबर पर दिखने लगा। इसके बाद अशोक मल्होत्रा और उसकी टीम के लोगों से चेटिंग होने लगी।

25 लाख रुपए दूंगाः शंकरलाल ने बताया कि मैंरे द्वारा अशोक से कहा कि मुझे 10 लाख रुपए की आवश्यकता है। उसने मुझे कहा कि 10 लाख क्या उसकी जगह 25 लाख रुपए दे दूंगा। इसके बाद मेरे मोबाइल नंबर पर तीन अलग-अलग नंबरों से कॉल आने लगे।

कहां बैंक से बोल रहा हूंः शंकरलाल ने बताया कि एक कॉल आया जिसमें कहा कि मैं बैंक से बोल रहा हूं और हमारे पास रुपए है वह इटली की करेंसी है। इटली की करेंसी को इंडियन रुपए में बदलवाने के लिए आपको कुछ रुपए डालने होंगे। हम क्यूआर कोड भेज रहे हैं।क्यूआर कोड आया तो शंकरलाल द्वारा 4 अप्रैल को 2 हजार, 7 हजार, 15 हजार रुपए डाल दिए। 4 अप्रैल से 20 मई तक अलग-अलग क्यूआर कोड पर 9 लाख 66 हजार 463 रुपए अलग-अलग तारीखों में डाल डाल दिए। शंकरलाल ने बताया कि अशोक मल्होत्रा ने पहले उसे भ्रमित किया और फिर उसकी टीम के लोगों ने डरा-धमका कर रुपए ऐंठ लिए। बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

कृषि उप संचालक ने की आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। आगामी खरीफ सीजन में किसानों को समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं मौसम आधारित कृषि प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने वीसी के माध्यम से विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने किसानों के हित में व्यापक जागरूकता एवं परामर्श गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों के निर्देशित किया कि ग्राम स्तर तक उर्वरकों और गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को उपलब्ध किस्मों एवं निर्धारित विक्रय दरों की जानकारी समय पर प्रदान की जाये। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष खरीफ में मध्य प्रदेश के मध्य क्षेत्र में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना जताई गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को कम अवधि में पकने वाली सोयाबीन की किस्मों के बारे में जानकारी दी जाए। किसानों को सलाह किसान बुवाई के समय सोयाबीन की प्रमुख किस्में जेसे JS 20-34 (85-88 दिन), JS 20-98 (90-92 दिन), JS 24-33 (90-92 दिन), NRC 130 (90-95 दिन), NRC 150 (90-91 दिन) का उपयोग कर सकते हैं। ये किस्में कम पानी और 80 से 95 दिन में तैयार हो जाती है। बैठक में जलभराव वाले क्षेत्रों में धान की खेती पर जोर दिया गया है। इस दौरान बताया गया कि जब मानसून की पहली या दूसरी अच्छी बारिश हो जाए और खेत की मिट्टी में तीन से चार इंच गहरी नमी बैठ जाये तभी बोवनी शुरू करनी चाहिए। कई बार किसान पहली हल्की फुहार पडते ही बोनी कर देते है, इससे बचना चाहिए।

पिकअप ने बाइक को टक्कर मारी, महिला की मौतः मंदसौर में मासूम बेटे सहित दो घायल

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के कचनारा क्षेत्र में रविवार शाम हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक मासूम बच्चे सहित दो लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसा एक लोडिंग पिकअप वाहन की टक्कर से हुआ।

पथरी की जांच कर लौट रहे थेः जानकारी के अनुसार, खाचरोद निवासी अर्जुन पिता जगदीश भील (28) अपने सात वर्षीय पुत्र पीयूष और सास लाली बाई (50), निवासी ग्राम पलासिया, जिला मंदसौर, के साथ पथरी की जांच कराने गए थे। जांच के बाद तीनों मोटरसाइकिल से वापस ग्राम पलासिया लौट रहे थे।

विदिशा में तीन दिवसीय कैंसर उपचार शिविर की तैयारियां तेज, 3 जून से गांव-गांव होगा प्री-रजिस्ट्रेशन

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी नागरिकों और संगठनों से सहयोग का किया आह्वान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। अटल बिहारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा में 5, 6 एवं 7 जून को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण एवं उपचार शिविर की तैयारियों की समीक्षा केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की। मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित बैठक में उन्होंने शिविर के लिए किए जा रहे व्यवस्थागत प्रबंधों की जानकारी प्राप्त करते हुए जिलेवासियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं से इस महत्त्वपूर्ण मानव सेवा अभियान में हर स्तर पर सहयोग करने का आह्वान किया। श्री चौहान ने कहा कि विदिशा जिला सेवा और जनकल्याण की गौरवशाली परंपरा के लिए जाना जाता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को उनके जिले में ही बेहतर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना एक बड़ा प्रयास है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि कैंसर जैसी घातक बीमारी के मरीजों को विशेषज्ञ उपचार एवं परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में यह विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में मरीजों की जांच, परामर्श तथा उपचार संबंधी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओ.पी. सनोडिया ने शिविर की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम स्तर पर प्री-रजिस्ट्रेशन का कार्य 3 जून से प्रारंभ किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को शिविर का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक सर्वेक्षण के आधार पर अब तक 2,727 नागरिकों का पंजीयन किया जा चुका है। इनमें 970 ऐसे मरीज हैं जिनमें कैंसर की संभावना 50 प्रतिशत से अधिक आंकी गई है, जबकि 1,757 मरीजों में 50 प्रतिशत से कम संभावना दर्ज की गई है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मनीष निगम ने शिविर के दौरान मरीजों एवं उनके साथ आने वाले परिजनों के लिए किए जा रहे प्रबंधों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जांच, उपचार, आवास, भोजन, प्रतीक्षा व्यवस्था तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं को सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि शिविर में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। बैठक में शिविर के सफल संचालन हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे समन्वय एवं व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, जिससे कैंसर उपचार शिविर का संचालन प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

नर्मदापुरम में नौतपा के बीच बारिशः रसूलिया में तेज बौछारें तो कलेक्ट्रेट क्षेत्र में बूंदाबांदी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में सोमवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह तेज धूप निकलने के बाद दोपहर करीब 12 बजे आसमान में काले बादल छा गए और रसूलिया समेत शहर के कई इलाकों में तेज बारिश और बूंदाबांदी हुई। इस प्री-मानसून एक्टिविटी के कारण वातावरण में अचानक ठंडक घुल गई है, जिससे लोगों को नौतपा की तपन भरी भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है।

मौसम विभाग ने आगामी 4 से 5 दिनों तक संभाग में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। सोमवार सुबह से जिले में मौसम पूरी तरह साफ था और तेज धूप निकली हुई थी। लेकिन दोपहर करीब 11:45 बजे के बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में घने काले बादल घिर आए। इसके ठीक बाद दोपहर 12 बजे से रसूलिया क्षेत्र में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। इसके अलावा कलेक्ट्रेट परिसर, मीनाक्षी चौक और मालाखेड़ी रोड क्षेत्र में भी हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

क्यों बदला मौसम? अरब सागर से आ रही नमीः मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मध्य पाकिस्तान और उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश पर एक चक्रवाती परिसंचरण (चक्रवातीय सिस्टम) बना हुआ है। इस सिस्टम के असर से अरब सागर से लगातार नमी आ रही है, जिसके चलते नर्मदापुरम संभाग में अगले 4 से 5 दिनों तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दौरान क्षेत्र में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की गतिविधियां दर्ज की जाएंगी।

दाल खाने से परिवार के 6 लोगों को उल्टी-दस्तः अस्पताल में भर्ती

इनमें 3 मासूम शामिल; दाल खाने के बाद बिगड़ी तबीयत

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम बंधवार में फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है। घर में बनी चने और उड़द की दाल खाने के बाद एक ही परिवार के 6 सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। सभी को अचानक तेज उल्टी और दस्त शुरू हो गए, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल बड़ामलहरा अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बावजूद हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर सभी मरीजों को छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों के अनुसार शनिवार रात परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर बनी चने और उड़द की दाल खाई थी। भोजन करने के कुछ समय बाद ही एक-एक कर सभी लोगों को जी मिचलाने, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते पूरे परिवार की तबीयत बिगड़ गई, जिससे गांव में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों और रिश्तेदारों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया।

तीन बच्चों समेत 6 लोग हुए बीमारः फूड पॉइजनिंग की इस घटना में परिवार के बड़े-बुजुर्गों के साथ तीन मासूम बच्चे भी प्रभावित हुए हैं। बीमार हुए लोगों में देशपाल सिंह बुंदेला (35), हीरा राजा (35), उमा राजा (40), अनन्या राजा (13), राज राजा (12) और गोलू राजा (10) शामिल हैं।

सीहोर में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिशः तेज हवाएं चलने के बाद गर्मी से मिली राहत, मौसम विभाग ने मानसून की दस्तक के संकेत दिए

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दोपहर तक तेज धूप और उमस से लोग बेहाल थे, लेकिन दोपहर बाद आसमान में घने काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के चलते पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

दोपहर बाद बदला मौसम का मिजाजः बुधवार को सुबह से ही तेज धूप निकली हुई थी। दोपहर तक गर्मी और उमस का असर साफ दिखाई दे रहा था। लोग घरों से बाहर निकलने में परेशानी महसूस कर रहे थे। हालांकि दोपहर बाद अचानक मौसम का रुख बदल गया। आसमान में काले बादल छाने लगे और तेज हवाएं चलना शुरू हो गई। कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई, जिसने पूरे क्षेत्र को भिगो दिया। बारिश के कारण वातावरण में ठंडक घुल गई और मौसम पहले की तुलना में काफी सुहावना हो गया।

बारिश से लोगों को मिली राहतः पिछले कई दिनों से जिले में गर्मी का असर लगातार बना हुआ था। दिन के समय तेज धूप और उमस के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बुधवार को हुई बारिश ने लोगों को बड़ी राहत दी। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंडी हवाएं चलने लगीं। मौसम में आई इस ठंडक का असर लोगों के चेहरे पर भी दिखाई दिया। कई लोगों ने बारिश का आनंद लिया और गर्मी से मिली राहत पर संतोष जताया।

प्री-मानसून गतिविधियों का असरः मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जून की शुरुआत में इस तरह के मौसम परिवर्तन को प्री-मानसून गतिविधियों का हिस्सा माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोपहर तक पड़ी तेज धूप के कारण जमीन काफी गर्म हो गई थी।गर्म सतह के कारण हवा तेजी से ऊपर उठी, जिससे स्थानीय स्तर पर गरज-चमक वाले बादलों का निर्माण हुआ। यही बादल बाद में तेज हवाओं और बारिश का कारण बने।

अरब सागर की नमी ने बढ़ाया असरः मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अरब सागर से आने वाली पश्चिमी हवाओं में पर्याप्त मात्रा में नमी मौजूद थी। जमीन की गर्मी और वातावरण में मौजूद नमी के मेल से मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। इसी कारण तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और कुछ समय के लिए मौसम पूरी तरह बदल गया। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में भी इस तरह की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

मानसून की दस्तक के संकेतः मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष मानसून सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है। यदि इसकी रफ्तार इसी तरह बनी रही तो 15 से 20 जून के बीच मानसून मध्य प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून के आगमन से पहले प्रदेश के कई जिलों में प्री-मानसून बारिश का दौर जारी रहेगा। इससे तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा और लोगों को गर्मी से राहत मिलती रहेगी। 20 से 22 जून तक सक्रिय हो सकता है मानसून मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार सीहोर और आसपास के जिलों में 20 से 22 जून के बीच मानसून के सक्रिय होने की पूरी संभावना है। तब तक जिले में रुक-रुक कर प्री-मानसून बौछारें पड़ सकती हैं। इन बौछारों से किसानों को भी राहत मिलेगी और खेतों में नमी बढ़ेगी। वहीं आम लोगों को भी भीषण गर्मी से राहत मिलने का सिलसिला जारी रह सकता है।

नॉर्वे शतरंज : गुकेश नें प्रज्ञानंदा को दी मात, दिव्या नें चीन की जिनेर को हराया

ओस्लो, नॉर्वे, एजेंसी। नॉर्वे शतरंज 2026 में एक दिन के विश्राम के बाद हुए पाँचवें राउंड में भारत के डी गुकेश नें अपने 20वें जन्मदिन के ठीक अगले दिन हमवतन आर प्रज्ञानंदा को मात देते हुए ना सिर्फ़ प्रतियोगिता में अपनी पहली क्लासिकल जीत दर्ज की बल्कि वह अंक तालिका में 6.5 अंकों के साथ सीधे तीसरे स्थान पर पहुँच गए है , क्यूजीडी ओपनिंग में उन्होंने काले मोहरो से खेलते हुए लगभग एक हारी हुई बाजी में वापसी करते हुए जीत दर्ज कर दी , वहीं विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन को 10 साल में पहली बार एक प्रतियोगिता में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है उन्हें यूएसए के वेस्ली सो नें पराजित कर दिया और कार्लसन आधी प्रतियोगिता के बाद आश्चर्यजनक तौर पर आख़िरी स्थान पर चल

रहे है । एक अन्य बाजी में फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोज़ा नें टाईब्रेक में जर्मनी के विंसेंट केमर को मात देते हुए 10 अंकों के साथ एकल बढ़त को और मजबूत कर लिया है वहीं कार्लसन को मात देने वाले वेस्ली 8.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे है ।

महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख नें शानदार प्रदर्शन करते हुए 8.5 अंकों के साथ एकल बढ़त बना ली है , दिव्या नें चीन की जू जिनेर को पराजित करते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए अन्य बाज़ियों में कोनेरू हंपी नें चीन की विश्व चैंपियन जू वेंजुन को टाईब्रेक में हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की जबकि यूक्रेन की अन्ना मुज़्यचुक नें कजाकिस्तान की बिबीसारा आसुबयेवा को मात देकर उन्हें शीर्ष स्थान से दूसरे स्थान पर सरका दिया है ।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

● सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौंसला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौंसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी।

इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया।

विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिय। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी हैं। हो गई हैं। हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं।

ऑरेंज कैप सहित कई अवार्ड जीतने वाले वैभव का लक्ष्य है टेस्ट क्रिकेट खेलना

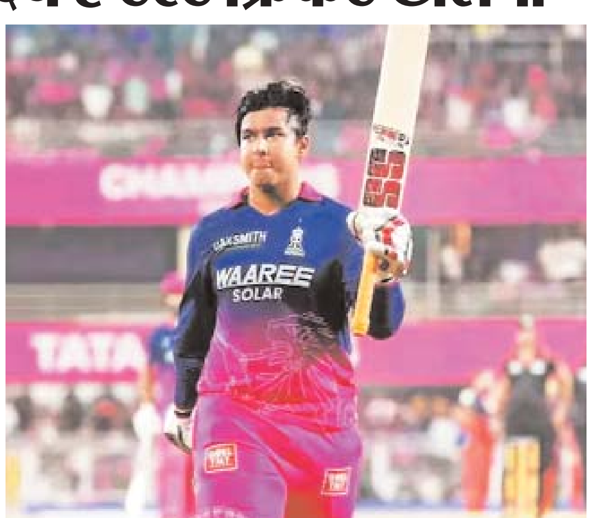

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल के 19 वें सत्र में 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई रिकार्ड बनाने के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप भी हासिल की है। वैभन ने इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करने के साथ ही कई रिकार्ड भी तोड़े। इसी कारण उन्हें ऑरेंज कैप के साथ-साथ ही मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और सुपर सिक्सेज ऑफ द सीजन जैसे कुल 5 बड़े अवॉर्ड मिले हैं हालांकि वैभव ने इस दौरान कहा कि उनका लक्ष्य सभी प्रारुपों में खेलना है और वह केवल टी20 तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं। अवॉर्ड समारोह के बाद वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं का खुलासा किया। जब उनसे उनकी योजनाओं को लेकर पूछा गया तो उन्होंने टेस्ट क्रिकेट खेलने की इच्छा जतायी और कहा कि वह लाल गेंद के प्रारुप के लिए गंभीरता से अभ्यास कर रहे हैं।

ये कहा जाता है कि वैभव एक आक्रामक बल्लेबाज हैं और वह वह सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए ही ठीक है। इस धारणा को लेकर वैभव ने कहा, मेरा खेल स्वाभाविक तौर पर आक्रामक है, इसलिए हर किसी को लगता है कि मैं हर गेंद पर शॉट खेलने का प्रयास करता हूं पर मेरा लक्ष्य टेस्ट क्रिकेट भी खेलना है। इसका कारण ये है कि मेरे पिता का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। वैभव ने कहा, मेरे पिता ने मुझसे हमेशा कहा है कि टेस्ट क्रिकेट ही इस खेल का सबसे शुद्ध रूप है। इस बात से साफ है कि वह केवल सफेद गेंद तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं और टेस्ट प्रारुप में भी अपना प्रभाव दिखाना चाहते हैं और इसके लिए अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आईपीएल के दौरान भी वह वह लगातार टेस्ट प्रारुप के लिए अभ्यास करते आये हैं। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप जीतना वैभव की असाधारण प्रतिभा और मैच जिताने की क्षमता दिखाता है। इसके साथ ही उनमें खेल की गहरी समझ भी है। इसी कारण अब वैभव टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमताएं दिखाना चाहते हैं।

बार्सिलोना की ओर से खेलने वाले इंग्लैंड के तीसरे फुटबॉलर बने गॉर्डन

मैड्रिड, एजेंसी। इंग्लैंड के फुटबॉलर एंथनी गॉर्डन अब एफसी बार्सिलोना क्लब की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। इससे पहले गॉर्डन न्यूकैसल यूनाइटेड से खेलते थे। वहीं अब बार्सिलोना ने गॉर्डन के साथ करार की पुष्टि की है। गॉर्डन को छह साल के लिए शामिल किया गया हैं। इस हस्ताक्षर के साथ वह गैरी लिनेकर और मार्कस रैशफोर्ड के बाद कैटलन क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले इंग्लैंड के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मैड्रिड में अपने सफल चिकित्सा परीक्षण के बाद गॉर्डन के साथ करार पूरा हुआ। बार्सिलोना में शामिल होने के बाद, गॉर्डन ने अपनी पुरानी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं तीन साल की उम्र से ही इस टीम के लिए खेलने को लेकर उत्साहित था। बचपन में मुझे लगता था कि मैं बार्सिलोना के लिए

फुटबॉल खेलूंगा, इसलिए मैं स्पैनिश बोलना चाहता था। उन्होंने साथ ही कहा कि न्यूकैसल में उनके एक फिजियो से वह हर दिन बात करते थे और उन्हें बताते थे कि एक दिन वह बार्सिलोना के लिए खेलेंगे। उन्होंने क्लब को दुनिया का सबसे बड़ा क्लब बताते हुए, बार्सिलोना के लिए खेलने के अपने बचपन के सपने को साकार करने पर खुशी जतायी है। हाल ही में समाप्त हुए सीज़न में, बार्सिलोना ने गॉर्डन की प्रतिभा को चैंपियंस लीग में करीब से देखा था, जहाँ उन्होंने न्यूकैसल को बार्सिलोना के खिलाफ 2-1 की जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जनवरी 2023 में अपने घरेलू क्लब एवर्टन से न्यूकैसल में शामिल होने के बाद से, गॉर्डन ने मैगपाइज के लिए 152 मैचों में 39 गोल किए हैं।

सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ के नये प्रारुप को लेकर आशंकाएं जतायीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।

उन्होंने कहा, यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।

आरसीबी लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीतने वाली तीसरी टीम बनी

अहमदाबाद, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र का खिताब जीतने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ऐसी तीसरी टीम बन गयी है जो लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही है। ये कारनाम सबसे पहले, महेंद्र सिंह धोनी की करिश्माई कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार खिताब जीतकर किया था। इसके बाद, रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने साल 2019 और 2020 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब, रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने लगातार दूसरे बार खिताब जीत है। उससे गत वर्ष पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था जबकि इस साल गुजरात टाइटंस को हराया है। इससे पता चलता है कि टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही आईपीएल के प्लेऑफ प्रारुप में क्वालीफायर-1 की विजेता टीम की जीत का क्रम बना हुआ है। 2011 से लागू प्लेऑफ प्रारुप में देखा गया है कि लीग स्तर में जिन शीर्ष दो टीमों के बीच क्वालीफायर-1 खेला जाता है, जिसकी विजेता टीम सीधे फाइनल में पहुंची है। इस सीजन में भी आरसीबी ने क्वालीफायर-1 में गुजरात टाइटंस को हराकर फाइनल में जगह बनाने के साथ ही खिताब पर भी कब्जा किया था। यह 19वें सत्र के साथ ही 9वीं बार और कुल मिलाकर 13वीं बार हुआ है जब क्वालीफायर-1 जीतने वाली टीम ने फाइनल मुकाबले पर भी कब्जा किया है। साल 2011 में शुरु हुए प्लेऑफ प्रारुप में अब तक खेले गए 15 क्वालीफायर-1 मैचों में से 12 बार इसके विजेता ने ही आईपीएल ट्रॉफी जीती है। विशेष रूप से पिछले 8-9 सीजन से ही ये सिलसिला चलता आ रहा है।चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस टीमों ने भी क्वालीफायर-1 जीतकर ही खिताब पर कब्जा किया था। अब आरसीबी ने इसी इतिहास को दोहराया है।

केप्लर वेसल्स के नाम है एक अनोखा रिकॉर्ड

जोहांसबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर केप्लर वेसल्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड है जो किसी अन्य खिलाड़ी के नाम नहीं है। वेसल्स एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं तो 100 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद भी कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। एक एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम दर्ज है, जो 34 बार शून्य पर आउट हुए। इस सूची में शाहिद अफरीदी और महेला जयवर्धने जैसे कई बड़े खिलाड़ी भी शामिल हैं पर वेसल्स हमेशा ही नाबाद रहे। साल 1983 से 1994 के बीच खेले गए अपने एकदिवसीय करियर में वेसल्स ने 109 मैचों में हिस्सा लिया और 105 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए कुल 3367 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शानदार शतक और 26 अर्धशतक भी बनाये, जो उनकी निरंतरता और स्कोर करने की क्षमता का प्रमाण है। वेसल्स उस दौर में खेले, जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मैल्कम मार्शल, रिचर्ड हैडली, इमरान खान और कपिल देव जैसे कई घातक गेंदबाज खेलते थे। इन खतरनाक गेंदबाजों के बावजूद कोई भी इस बल्लेबाज को कभी शून्य पर आउट नहीं कर सका। यही रिकार्ड वेसल्स को बेहद खास बनाता है।

केप्लर वेसल्स का करियर सिर्फ इस अनूठे रिकॉर्ड के लिए ही नहीं, बल्कि कई अन्य कारणों से भी विशेष है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे वेसल्स ने रंगभेद नीति के कारण देश पर लगे प्रतिबंध के चलते अपने करियर की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के लिए की थी। उन्होंने 1982 में ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया और अपने पहले ही टेस्ट मैच में शतक लगाकर सबकों हैरान कर दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 24 टेस्ट मैच खेले और सलामी बल्लेबाज के रूप में पहचान बनाई।

वहीं जब 1991 में दक्षिण अफ्रीका पर लगा प्रतिबंध हटा, तो वेसल्स अपने देश लौट आए और उन्हें नई दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी सौंपी गई। उन्होंने 1992 के विश्व कप में टीम का नेतृत्व किया और उन्हें सेमीफाइनल तक पहुँचाया। वह दोनों देशों के लिए टेस्ट शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने और दक्षिण अफ्रीका के पहले एकदिवसीय कप्तान के रूप में भी रिकार्ड बनाया। इस क्रिकेटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 40 टेस्ट मैचों में 2788 रन बनाए, जिसमें 6 शतक और 15 अर्धशतक शामिल हैं। एकदिवसीय में 3367 रन के अलावा उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 24 हजार से ज्यादा रन और 66 शतक लगाये हैं। , जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में भी उनके नाम 12 हजार से अधिक रन दर्ज हैं।

सुशासन तिहार 2026ः टेम्पू शिविर में 534 आवेदन प्राप्त, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत टेम्पू में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। शिविर में जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर विभिन्न विभागों द्वारा चयनित हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 534 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई। कृषि विभाग द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए, जिससे उन्हें खेती-किसानी के लिए आसान ऋण सुविधा उपलब्ध हो सकेगी । स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों एवं ग्रामीणों को फलदार पौधों का वितरण किया गया, वहीं वन विभाग ने पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधों का वितरण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई रस्म संपन्न कराई गई तथा छोटे बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इस अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री परमेश्वर भगत, जनप्रतिनिधि गण सहित सभी 13 ग्राम पंचायतों के सरपंच अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु बन रहा है तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जल संरक्षण के साथ मिल रहा बंपर रोजगार, मोर गांव, मोर तरिया अभियान से संवर रहे ग्रामीण क्षेत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के तहत बिलासपुर जिले में ÷मोर गांव, मोर तरिया÷ अभियान को तेजी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से न सिर्फ गांवों में जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, बल्कि ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की एक मजबूत नींव भी तैयार हो रही है। राज्य सराकर के जल संरक्षण अभियान को एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

मानसून से पहले काम पूरा करने का लक्ष्य, मस्तूरी में काम तेजः अभियान के तहत बिलासपुर जिले के जनपद पंचायत मस्तूरी की ग्राम पंचायत बोहारडीह में नवीन तरिया (तालाब) निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। प्रशासन ने आने वाले मानसून को ध्यान में रखते हुए एक विशेष कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत वर्षाकाल शुरू होने से पहले निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि आगामी सीजन में वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके।

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत और छत्तीसगढ़ राज्य के विकास की ठोस नींव तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित राष्ट्रीय अभियान भारत की जनगणना 2027 का प्रथम चरण छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। राज्य के सभी जिलों, तहसीलों, गांवों और नगरीय क्षेत्रों में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का फील्ड कार्य 1 मई 2026 से शुरू होकर 30 मई 2026 को कुशलता एवं शांतिपूर्वक पूरा कर लिया गया। निदेशक, जनगणना कार्य छत्तीसगढ़ ने इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में राज्य के नागरिकों द्वारा दिए गए अभूतपूर्व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

मोबाइल ऐप से जुटाए गए 33 प्रश्नों के जवाबः प्रथम चरण के दौरान प्रगणकों ने घर-घर जाकर प्रत्येक मकान और उसमें रहने वाले परिवारों से भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्न पूछे। ये प्रश्न मकानों की स्थिति, परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं और उनकी परिसंपत्तियों से संबंधित थे। सभी जानकारियां मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल रूप से संकलित की गई हैं, जो अब भारत सरकार के सर्वर में पूरी तरह सुरक्षित हैं।

डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा का भरोसाः प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आम नागरिकों द्वारा दी गई सभी व्यक्तिगत जानकारियां जनगणना अधिनियम 1948 और जनगणना नियमावली 1990 के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। इन आंकड़ों का उपयोग केवल नीति निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं को तैयार करने के लिए किया जाएगा। संपूर्ण जनगणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद भारत सरकार द्वारा तय समय पर ये आंकड़े जारी किए जाएंगे।

सुरक्षित बचपन से ही बनेगा सशक्त भविष्यः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विश्व बाल सुरक्षा दिवस 1 जून के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका सुरक्षित, स्वस्थ और स्नेहपूर्ण वातावरण में विकास होना एक मजबूत और संवेदनशील समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के प्रति हिंसा, उपेक्षा और शोषण की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, जिन पर रोक लगाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करना आवश्यक है, जहां वे निर्भय होकर अपने सपनों को साकार कर सकें। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि हर बच्चे की मुस्कान उसके सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन से जुड़ी होती है। यदि समाज बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहेगा, तभी आने वाली पीढ़ी आत्मविश्वासी, शिक्षित और संस्कारित बन सकेगी। उन्होंने विश्व बाल सुरक्षा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से यह संकल्प लेने की अपील की कि हर बच्चे को सुरक्षित बचपन, बेहतर शिक्षा, स्नेह और संरक्षण प्रदान करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे, ताकि प्रदेश और देश का भविष्य मजबूत एवं उज्ज्वल बन सके।

श्रवण यंत्र बना नई उम्मीद का सहारा, श्याम लाल और नरसिंग वर्मा के जीवन में लौटी सुनने की खुशी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की संवेदनशीलता और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में खैरागढ़ छुई खदान गंडई जिले के ग्राम टेकापार कला निवासी श्याम लाल वर्मा एवं नरसिंग वर्मा को संयुक्त कलेक्टर सुमन राज द्वारा श्रवण यंत्र प्रदान किया गया।

सहायता प्राप्त होने पर दोनों हितग्राहियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। श्रवण संबंधी समस्या के कारण दोनों ग्रामीणों को लंबे समय से दैनिक जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों की बातें स्पष्ट रूप से सुन नहीं पाने के कारण सामाजिक गतिविधियों, पारिवारिक संवाद और सामान्य कार्यों में भी उन्हें परेशानी होती थी। उनकी आवश्यकता को देखते हुए प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। श्रवण यंत्र प्राप्त करने के बाद श्याम लाल वर्मा और नरसिंग वर्मा ने बताया कि अब वे लोगों की बातें पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट रूप से सुन पा रहे हैं। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी सक्रिय भागीदारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह सहायता उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है।

सुशासन तिहार 2026: किसान सोहन सिंह को मिला किसान क्रेडिट कार्ड, खेती के लिए बढ़ा आत्मविश्वास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीणों, किसानों और जरूरतमंदों के लिए राहत और सुविधा का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अब सीधे गांव स्तर पर पहुंच रहा है, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के ग्राम बरगांव डूमरटोली निवासी किसान श्री सोहन सिंह को ग्राम बोकी में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) प्रदान किया गया। किसान क्रेडिट कार्ड मिलने से वे बेहद प्रसन्न हैं और इसे अपनी कृषि गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण सहायता मानते हैं। श्री सोहन सिंह ने बताया कि खेती-किसानी के दौरान खाद, बीज, कीटनाशक एवं अन्य कृषि सामग्री की व्यवस्था के लिए अक्सर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से उन्हें समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध हो सकेगी, जिससे खेती के आवश्यक कार्य बिना किसी बाधा के पूरे किए जा सकेंगे।

बलरामपुर जिले में एमबीयू अभियान को मिली गति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलरामपुर जिले में स्कूली बच्चों के आधार कार्ड के मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से अब तक जिले के 33 हजार 328 बच्चों का आधार बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का 95.91 प्रतिशत है। अभियान का उद्देश्य बच्चों की आधार संबंधी जानकारी को अद्यतन कर उन्हें छात्रवृत्ति, शिक्षा, बैंकिंग तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराना है। राज्य शासन एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में विशेष शिविर आयोजित कर एमबीयू का कार्य किया जा रहा है। माह अक्टूबर 2025 से जिले के विद्यालयों में आधार ऑपरेटरों द्वारा विशेष शिविर लगाकर बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट किया जा रहा है। अब तक जिले में कुल 2089 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 37 आधार ऑपरेटरों की टीम ने 33 हजार 328 बच्चों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट किया है। सतत मॉनिटरिंग एवं सुनियोजित कार्ययोजना के कारण अभियान को लगातार गति मिल रही है। विशेष रूप से मई माह में युद्धस्तर पर कार्य करते हुए एक ही माह में 7 हजार 612 बच्चों का एमबीयू किया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा आधार ऑपरेटरों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। यूआईडीएआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट दो चरणों में कराया जाता है। पहला अपडेट 5 से 15 वर्ष की आयु के बीच तथा दूसरा अपडेट 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच अनिवार्य है। यह प्रक्रिया बच्चों की पहचान संबंधी जानकारी को प्रमाणिक एवं अद्यतन बनाए रखने के लिए आवश्यक मानी गई है। यूआईडीएआई द्वारा यह सुविधा 30 सितम्बर 2026 तक निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है, जिसके बाद एमबीयू कराने पर 125 रुपये शुल्क देय होगा। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि जिन बच्चों का अभी तक मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट नहीं हुआ है, वे 30 सितम्बर 2026 से पूर्व अपने नजदीकी आधार सेवा केंद्र अथवा विशेष शिविर में पहुंचकर यह कार्य अवश्य करा लें। आधार की अद्यतन जानकारी बच्चों को भविष्य में विभिन्न सेवाओं एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायक होगी।

मंत्री रामविचार नेताम ने दी पशुपालकों को बड़ी सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलरामपुर जिले के पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन एवं पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम के द्वारा ग्राम महावीरगंज में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के द्वारा स्थापित दुग्ध शीतलक केंद्र का शुभारंभ किया गया। महावीरगंज में दुग्ध शीतलक केंद्र और पशु औषधालय का शुभारंभ इस अवसर पर उन्होंने नवीन पशु औषधालय का भी औपचारिक शुभारंभ किया। महावीरगंज में दुग्ध शीतलक केंद्र और नवीन पशु औषधालय की सौगात से क्षेत्र के पशुपालकों को दूध विपणन, पशु उपचार और आय वृद्धि की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि शासन किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेती के साथ-साथ पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है और दुग्ध उत्पादन से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से बात करते हुए मंत्री श्री नेताम ने बताया कि दुग्ध विक्रय का पैसा अब सीधे आपके बैंक खाते में आएगा। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने मिलकर योजना बनाई है कि सभी को रोजगार और आजीविका से कैसे जोड़ें और उनकी आर्थिक समृद्धि कैसे बढ़े। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमने ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध संग्रहण एवं शीतलक केंद्र खोले हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि गांवों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ें तथा किसान और पशुपालक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। दुग्ध उत्पादन से जुड़े लोगों को अब दूध के संरक्षण और विपणन की बेहतर सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने पशुपालकों से अधिक से अधिक संख्या में दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध सहकारी गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। महावीरगंज में इस दुग्ध शीतलक केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के पशुपालकों को अब दुग्ध विक्रय के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। अब पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर ही उचित दर पर दूध का पैसा मिलेगा सीधे तौर पर उनके आय में वृद्धि भी होगी। शुभारंभ के पश्चात कृषि मंत्री श्री नेताम ने दुग्ध शीतलक केंद्र का भ्रमण कर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस दौरान एनडीडीबी के प्रतिनिधि श्री विजय कुमार ने बताया कि इस केंद्र के माध्यम से 75 दुग्ध संग्रहण केंद्रों से दूध एकत्रित कर प्रोसेसिंग के लिए रायपुर एवं वाराणसी भेजा जाएगा। एनडीडीबी के प्रतिनिधि ने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में दुग्ध कलेक्शन हेतु 3 इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी उपलब्ध कराई गई हैं, जो गांव-गांव में जाकर कलेक्शन सेंटर से दुग्ध को सुरक्षित रूप से इस शीतलक केंद्र तक लाएंगे।

मल्हार में छटवीं-सातवीं शताब्दी का ताम्रपत्र मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बातः अरुण साव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आकाशवाणी पर प्रसारित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम सुनने के बाद कहा कि आज का एपिसोड भी हमेशा की तरह ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। प्रधानमंत्री ने देश की विविधता, विभिन्न क्षेत्रों के आमों की विशेषताओं और गर्मी के मौसम में उपयोग होने वाले पारंपरिक पेय पदार्थों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक विषयों से लोगों को नई जानकारी और प्रेरणा मिलती है। इसलिए सभी नागरिकों को नियमित रूप से 'मन की बात' सुनना चाहिए।

श्री साव ने प्रधानमंत्री के संरक्षण अभियान पर कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक परंपराएं सदैव समृद्ध रही हैं। देशभर में प्राचीन ताम्रपत्रों की खोज और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। बिलासपुर जिले के मल्हार में छटवीं-सातवीं शताब्दी के ताम्रपत्र मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बात' में इसका जिक्र किया है।

सुशासन तिहार से मछुआरों के जीवन में आई समृद्धि की नई लहर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ ग्रामीणों के जीवन में आर्थिक बदलाव और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनता जा रहा है। बलरामपुर जिले के ग्राम बाहरचूरा के मछुआरों की सफलता इसकी प्रेरक मिसाल है। शासन की मत्स्य पालन प्रसार योजना के तहत मिली सहायता से अब ग्रामीण मछुआरे अपनी मेहनत का पूरा लाभ स्वयं प्राप्त कर सकेंगे। जिले के विजयनगर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम बाहरचूरा निवासी श्री संजय सिंह सहित 6 हितग्राहियों को उन्नत मत्स्य जाल एवं आईसबॉक्स प्रदान किए गए। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने हितग्राहियों को सामग्री वितरित कर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्राम बाहरचूरा की गंगा मछुआ सहकारी समिति से जुड़े 11 परिवार वर्षों से मत्स्य पालन के माध्यम से आजीविका चला रहे हैं। समिति के पास लगभग 29 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले दो बड़े जलाशय हैं, जहां मत्स्य उत्पादन किया जाता है। हालांकि आवश्यक उपकरणों की कमी के कारण उन्हें मछली निकालने के लिए बाहरी लोगों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे आय का बड़ा हिस्सा कमीशन के रूप में देना पड़ता था। श्री संजय सिंह ने बताया कि पहले समिति के पास स्वयं के जाल नहीं होने के कारण कुल आय का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बाहरी लोगों को देना पड़ता था। इससे मेहनत के अनुरूप आमदनी नहीं हो पाती थी। अब शासन से जाल मिलने के बाद समिति के सदस्य स्वयं मत्स्याखेट कर सकेंगे और अतिरिक्त आय सीधे उनके परिवारों तक पहुंचेगी।

मोर गांव-मोर पानी महाअभियान से गांव-गांव में जल संरक्षण की नई चेतना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से संचालित मोर गांव-मोर पानी महाअभियान के तहत गांव-गांव में व्यापक जागरूकता और प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के माध्यम से वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा जल संरचनाओं के निर्माण को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों को जल समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विभिन्न विकासखंडों में जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा तकनीकी अमले को जल संरक्षण के वैज्ञानिक उपायों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में वर्षा जल को गांव में ही रोकने तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए विभिन्न संरचनाओं के निर्माण और उपयोगिता पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को 5 प्रतिशत मॉडल रिचार्ज टैंक की संरचना और उसके उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि यह चार स्तरीय मॉडल वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनर्भरण के लिए प्रभावी तकनीक है, जिसकी जल संचयन क्षमता लगभग 1458 लीटर तक होती है।

व्यवहारिक समझ विकसित करने के लिए नमूना संरचना का प्रदर्शन भी किया गया। अभियान के तहत रिज टू वैली अवधारणा पर आधारित जल संरक्षण उपायों की जानकारी भी दी जा रही है। इसमें स्ट्रैगर्ड कंटूर ट्रेंच, कंटीन्यूअस कंटूर ट्रेंच, गली प्लग, बोल्डर चेक तथा सोख्ता गड्ढों जैसी संरचनाओं के निर्माण, स्थान चयन और उपयोगिता के बारे में बताया गया। इन उपायों से वर्षा जल का अपव्यय कम होने के साथ-साथ भू-जल स्तर में सुधार हो रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि ऐसी संरचनाओं से कुओं, हैंडपंपों और बोरवेलों में जल उपलब्धता बढ़ती है, पर्यावरणीय संतुलन मजबूत होता है तथा कृषि गतिविधियों को भी लाभ मिलता है। साथ ही कम उपजाऊ भूमि को कृषि योग्य बनाने में भी जल संरक्षण संरचनाएं सहायक सिद्ध हो रही हैं। प्रदेश में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर जनभागीदारी आधारित आंदोलन के रूप में विकसित करना है, ताकि भविष्य में जल संकट की चुनौतियों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा